राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 | वर्षः 11 | अंकः 163 | पृष्ठ : 08, | नई दिल्ली, शनिवार, 25 दिसम्बर 2021 | मूल्यः 1.50/-

ख़ास ख़बर

दानिश सिद्दीकी को मरणोपरांत मिलेगा सम्मान

मुंबई प्रेस क्लब का जर्नलिस्ट ऑफ द ईयर सम्मान

मुंबई। फोटो-पत्रकार दानिश सिद्दीकी को मुंबई प्रेस क्लब द्वारा 2020 के लिए मरणोपरांत जर्नलिस्ट ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसकी घोषणा की गई। सिद्दीकी की अफगानिस्तान में अपने काम के दौरान मृत्यु हो गई थी। सिद्दीकी ने लंबे समय तक यहां वित्तीय राजधानी में काम किया था। वह समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुख्य फोटोग्राफर थे।क्लब ने कहा कि सिद्दीकी को रोहिंग्याओं और संशोधित नागरिकता कानून के विरोध में हुए आंदोलन से लेकर कोविड-19 और अफगानिस्तान गृहयुद्ध तक उनकी बेहतरीन तस्वीरों के लिए सम्मानित किया जा रहा है।

अफगानिस्तान को पांच हजार करोड़ और शहीद किसानों को मुआवजा नहीं: तोगड़िया

शाहजहांपुर। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने शुक्रवार को कहा कि भारत सरकार ने अफगानिस्तान को पांच हजार करोड़ रुपए दिए हैं, लेकिन कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन के दौरान शहीद हुए किसानों को मुआवजा नहीं दिया है।तोगड़िया ने यहां पुवायां कस्बे में पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा, अफगानिस्तान की सरकार को हमारी भारत सरकार ने पांच हजार करोड़ रुपए दिए हैं लेकिन हमें वहां (अफगानिस्तान) से क्या लेना-देना है।

कपूरथला में पीट-पीट कर हत्या मामले में गुरुद्वारा का प्रबंधक गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने कपूरथला के एक गुरुद्वारे के केयरटेकर को एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या के आरोप में शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया और उस पर हत्या का आरोप लगाया गया है। अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में कथित रूप से बेअदबी का प्रयास करने वाले एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या किए जाने के एक दिन बाद निशान साहिब का अनादर करने के आरोप में एक अन्य व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी।

आईआईटी कानपुर का अध्ययन

कोविड की तीसरी लहर फरवरी में?

■ नई दिल्ली

भारत में कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर अगले साल तीन फरवरी तक चरम पर हो सकती है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में यह दावा किया। हालांकि, यह पूर्वानुमान इस धारणा पर आधारित है कि भारत में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप से प्रभावित अनेक देशों में मामलों में बढ़ोतरी की प्रवृत्ति देखने को मिलेगी।गत 21 दिसंबर को मेडआरएक्सआईवी पर डाले गए अध्ययन की अभी समीक्षा नहीं की गई है। इसमें तीसरी लहर का पूर्वानुमान लगाने के लिए गौसियन मिक्चर मॉडल का इस्तेमाल किया गया।

शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और रूस जैसे देशों से प्राप्त आंकड़ों का इस्तेमाल किया, जो पहले ही महामारी की तीसरी लहर का सामना कर रहे हैं। वैज्ञानिकों ने इन देशों में मामलों के दैनिक आंकड़ों का इस्तेमाल कर भारत में तीसरी लहर के असर और समय-सीमा का अनुमान व्यक्त किया। अध्ययन में भारत में पहली और दूसरी लहर के आंकड़ों का भी इस्तेमाल किया गया है। शोधकर्ताओं ने लिखा, मामले 15 दिसंबर के करीब बढ़ने शुरू हुए और तीसरी लहर का चरम तीन फरवरी, बृहस्पतिवार को होगा।

अभी तक ओमीक्रोन के 358 मामले आए

भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के 122 नए मामले सामने आने के बाद, देश में इस स्वरूप के मामले बढ़कर 358 हो गए। इनमें से 114 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं या अन्य स्थानों पर चले गए हैं।ए मामले 17 राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों में सामने आए।

भारत में शुक्रवार को 24 घंटे की अवधि में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के 122 मामलों का पता चला, जो अब तक एक दिन में इस स्वरूप के सर्वाधिक मामले हैं। देश में ओमीक्रोन के अब तक 358 मामले सामने आए हैं।

सावधानः ये भीड़ तीसरी लहर का कारण हो सकती है...

यही भीड़ राजधानी दिल्ली के सरोजिनी मार्केट की है। लेकिन सच्चाई यह है कि आज हर बड़े बाजार में ऐसी बेकाबू भीड़ उमड़ रही है। कोरोना की तीसरी लहर की दस्तक के बावजूद दिल्ली की ये भीड़ कोविड-19 के नियमों को दस फीसद भी नहीं मान रही है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सरोजिनी नगर बाजार में भारी भीड़ पर चिंता जताते हुए शुक्रवार को कहा कि कोविड हो या गैर-कोविड, वहां की स्थिति भयावह है और लोगों के हुजूम से भगदड़ हो सकती है।

सरोजिनी नगर बाजार में स्थिति भयावह, लोगों की भीड़ से हो सकती है भगदड़ : कोर्ट

■ नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सरोजिनी नगर बाजार में भारी भीड़ पर चिंता जताते हुए शुक्रवार को कहा कि कोविड हो या गैर-कोविड, वहां की स्थिति भयावह है और लोगों के हुजूम से भगदड़ हो सकती है और इसमें सैकड़ों लोगों की जान जा सकती है। विगत में उसी बाजार में एक बम विस्फोट हुआ था। अदालत ने कहा कि कोविड है या नहीं, लोगों को सतर्क रहना होगा। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि सरोजिनी नगर बाजार में कोविड-19 संक्रमण या भगदड़ से कोई मौत होती है तो नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) और दिल्ली पुलिस के

न्यायालय ने सरोजिनी नगर बाजार में भारी भीड़ पर चिंता जताते हुए कहा कि कोविड हो या गैर-कोविड, वहां की स्थिति भयावह है और लोगों के हुजूम से भगदड़ हो सकती है।

अधिकारी व्यक्तिगत रूप से इसके जिम्मेदार होंगे।अदालत ने एनडीएमसी के अधिकारियों के खिलाफ अवैध विक्रेताओं और उनके सामान सहित बाजार से अतिक्रमण हटाने के अपने पहले के आदेशों का पालन नहीं करने के लिए अवमानना नोटिस भी जारी किया। अदालत ने दिल्ली पुलिस और दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) को बाजार में लोगों की आवाजाही के लिए एक योजना तैयार करने को तथा एनडीएमसी और अन्य अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि वहां कोई भीड़भाड़ न हो।अदालत ने डीडीएमए को तुरंत बाजार का दौरा करने और महामारी की मौजूदा स्थिति को देखते हुए स्थिति का आकलन करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा, 'इन तस्वीरों से पता चलता है कि रात के समय सारा सामान वहां पड़ा होता है और नीली शीट से ढंका होता है।

पंजाब : मोहाली की कोर्ट ने मजीठिया की अग्रिम जमानत याचिका खारिज की

चंडीगढ़। पंजाब में मोहाली की एक अदालत ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया की अग्रिम जमानत याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। उन पर एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज है। पंजाब के पूर्व मंत्री ने अग्रिम जमानत के लिए बृहस्पतिवार को अदालत का रुख किया था। जमानत याचिका मजीठिया के वकील डी एस सोबती ने दायर की थी, जिन्होंने अदालत के बाहर संवाददाताओं को बताया कि अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने याचिका खारिज कर दी। पंजाब में मादक पदार्थों का एक गिरोह संचालित होने की जांच की 2018 की स्थिति रिपोर्ट के आधार पर मजीठिया (46) के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस कानून) की संबद्ध धाराओं के तहत सोमवार को एक मामला दर्ज किया गया था।

राहुल गांधी ने कोविड-19 से जान गंवाने वालों के परिवारों के लिए मुआवजे की मांग की

■ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कोविड-19 से जान गंवाने वालों के परिवारों के लिए शुक्रवार को मुआवजे की मांग की और कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाने की दिशा में यह पहला कदम होगा। कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान गंगा में शव बहाए जाने संबंधी एक खबर को साझा करते हुए राहुल ने कहा, गंगा की लहरों में कोविड मृतकों के दर्द का सत्य बह रहा है जिसे छुपाना संभव नहीं। पीड़ित परिवारों को हर्जाना देना न्याय की तरफ पहला कदम होगा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की मांग की और कहा कि उत्तर प्रदेश के

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कोविड-19 से जान गंवाने वालों के परिवारों के लिए शुक्रवार को मुआवजे की मांग की और कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाने की दिशा में यह पहला कदम होगा। गंगा की लहरों में कोविड मृतकों के दर्द का सत्य बह रहा है जिसे छुपाना संभव नहीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को गंगा नदी के किनारे मिले शवों के बारे में सच्चाई छिपाने के लिए राज्य के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। प्रियंका ने ट्वीट किया, कोरोना वायरस की दूसरी लहर के समय उत्तर प्रदेश की जनता असहनीय पीड़ा में थी व सरकार सच छिपाने के लिए गंगा किनारे दफनाए गए शवों से रामनामी हटाने और गंगा में तैरते शवों की सच्चाई छिपाने में व्यस्त थी। योगी आदित्यनाथ जी को प्रदेश से माफी मांगनी चाहिए और पीड़ित परिवारों को तुरंत मुआवजा देना चाहिए। प्रियंका ने नमामि गंगा परियोजना के प्रमुख के हवाले से आई एक खबर को भी साझा किया जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर के दौरान नदी में शव बहाए गए।

लुधियाना अदालत विस्फोट

रिजीजू ने दौरा किया, कहा- केंद्र व राज्य मिलकर काम कर रहे

लुधियाना। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री किरेन रिजीजू ने शुक्रवार को लुधियाना जिला अदालत का दौरा किया जहां एक दिन पहले बम विस्फोट हुआ था। उन्होंने कहा कि देश के साथ राज्य में शांति और सद्भाव को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे घरेलू एवं विदेशी तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्वाई सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्य मिलकर काम करेंगे।

रिजीजू ने कहा कि केंद्र और राज्य की एजेंसियां पहले से ही घटना की व्यापक जांच कर रही हैं। लुधियाना के जिला अदालत परिसर में बृहस्पतिवार को हुए बम विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए थे।

रिजीजू ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी से बात की थी और यह तय किया गया था कि केंद्र और राज्य की एजेंसियां संयुक्त रूप से इस मामले की जांच करेंगी तथा इस कायराना कृत्य करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्वाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि उनकी यात्रा का मुख्य मकसद लुधियाना के साथ ही पंजाब के लोगों को यह विश्वास दिलाना है कि राज्य सरकार के साथ समन्वित प्रयास शुरू कर इस घटना की व्यापक जांच की जाएगी।

विश्व कोविड की चौथी लहर का सामना कर रहाः सरकार ने सतर्कता कायम रखने को कहा

■ नई दिल्ली

सरकार ने शुक्रवार को कहा कि विश्व कोविड-19 के चौथे उभार का सामना कर रहा है और ऐसे में हमें अपनी सतर्कता, खासकर साल के अंत में होने वाले उत्सवों के दौरान, बनाए रखने की आवश्यकता है। इसके साथ ही सरकार ने लोगों से भीड़भाड़ वाले स्थानों और अनावश्यक यात्रा से बचने का आग्रह किया तथा कोविड संबंधी उपयुक्त व्यवहार और जल्दी टीकाकरण पर जोर दिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने महामारी पर एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में अभी तक मुख्य स्वरूप डेल्टा ही बना हुआ है। भारत में ओमीक्रोन स्वरूप के संक्रमण के अब तक 358 मामले आ चुके हैं। उनमें से 183 मामलों का विश्लेषण किया गया और पता लगा कि इनमें से 121 लोगों ने विदेश यात्रा की थी। ओमीक्रोन के विश्लेषण किए गए 183 मामलों में से 91 प्रतिशत मरीजों ने टीके की पूरी खुराक ले रखी थी, तीन लोगों ने बूस्टर खुराक भी ली थी। विश्लेषण किए गए मामलों में 70 प्रतिशत मरीज में किसी तरह के लक्षण नहीं थे और 61 प्रतिशत मरीज पुरुष हैं। सरकार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के तथ्यों का हवाला देते हुए कहा कि डेल्टा की तुलना में ओमीक्रोन समुदायों के माध्यम से तेजी से फैल रहा है।

20 जिलों में साप्ताहिक संक्रमण दर 5 से 10 प्रतिशत

विश्व कोविड-19 मामलों के चौथे उभार का सामना कर रहा है और संक्रमण की पुष्टि की समग्र दर 6.1 प्रतिशत है। सरकार ने कहा कि केरल और मिजोरम में कोविड-19 की संक्रमण दर राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है जो चिंता का कारण है। इसके साथ ही सरकार ने कहा कि देश के 20 जिलों में कोविड-19 की साप्ताहिक संक्रमण दर 5 से 10 प्रतिशत के बीच है जबकि दो जिलों में यह दर 10 प्रतिशत से अधिक है। सरकार ने लोगों को क्रिसमस और नए साल के उत्सव के दौरान विशेष रूप से एहतियात अपनाने को कहा है।

दिल्ली में भारत दर्शन पार्क का आज उद्घाटन करेंगे अमित शाह

■ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को दिल्ली में भारत दर्शन पार्क का उद्घाटन करेंगे, जहां बेकार चीजों और अपशिष्ट सामग्री से भारत के कई प्रतिष्ठित स्मारकों की आकर्षक प्रतिकृतियां बनाई गई हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।दक्षिण दिल्ली नगर निगम द्वारा अपशिष्ट से संपदा मॉडल पर बनाया गया मनोरंजन उद्यान, कुछ विलंब से खोला जा रहा है। इस उद्यान का उद्घाटन ऐसे समय हो रहा है, जब अगले साल की शुरुआत में दिल्ली में निकाय चुनाव होने हैं। आठ एकड़ में फैले इस उद्यान में कुतुब मीनार, ताजमहल, चारमीनार, गेटवे ऑफ इंडिया, कोणार्क मंदिर, नालंदा अवशेष, मैसूर महल, मीनाक्षी मंदिर, हम्पी, विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, सांची स्तूप, गोल गुंबज, अजंता और एलोरा गुफाएं और हवा महल सहित कई स्मारकों की प्रतिकृतियां बनाई गई हैं। एसडीएमसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, उद्यान में कुल 22 प्रतिकृतियां हैं, जिसका उद्घाटन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कल शाम करेंगे। इनमें 21 स्मारकों और एक पेड़ की प्रतिकृतियां शामिल हैं। इस उद्यान को पहले अक्टूबर के अंत तक खोले जाने की उम्मीद थी। इसमें पहले अमृतसर के स्वर्ण मंदिर की प्रतिकृति को भी शामिल करने की योजना थी। कल खुलने वाले पार्क में स्वर्ण मंदिर की प्रतिकृति नहीं है। दक्षिण दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके में स्थित पार्क में पवित्र सिख धर्मस्थल की प्रतिकृति के निर्माण को लेकर जून में एक विवाद छिड़ गया था, जिसके बाद इसे हटा दिया गया था।

पंजाब में ऐसी कोई स्थिति पैदा नहीं होने देगा केंद्र, जिससे अस्थिरता पैदा हो : पुरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा पंजाब में केंद्र सरकार ऐसी कोई भी स्थिति पैदा होने नहीं देगी, जिससे बाहरी या भीतरी शक्तियां सीमा से सटे इस सूबे को अस्थिर कर सकें। राजधानी स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्यालय में संवाददाताओं से चर्चा में उन्होंने कहा कि लुधियाना की जिला अदालत परिसर में हुए विस्फोट की तह तक जाने की कोशिशें हो रही हैं। इस विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हुई है जबकि छह अन्य घायल हुए हैं। इस घटना के बाद पंजाब सरकार ने राज्य में हाई अलर्ट जारी किया है। पुरी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में राज्य में बहुत सारी गतिविधियां हुई हैं जो इंगित करती हैं कि यह काम कुछ मनहूस ताकतों का है और इसके पीछे उद्देश्य किसी तरह से राज्य में भ्रम और अव्यवस्था की स्थिति पैदा करना है। ज्ञात हो कि पंजाब में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा के चुनाव होने हैं और पुरी को भाजपा ने चुनाव का सह प्रभारी नियुक्त किया है।

जरा हट के... बग्गा

कोविड-19 | कोरोना वायरस की दूसरी लहर के दौरान गंगा नदी में शवों का मामला...

एनएमसीजी ने शवों की संस्कार राशि की मंजूरी दी थी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कोरोना वायरस की दूसरी लहर के दौरान चूंकि गंगा नदी का इस्तेमाल कोविड-19 संक्रमित से जान गंवाने वाले व्यक्तियों के शवों को बहाने के लिए किया गया था, एनएमसीजी ने अधिकारियों को इसके लिए अधिकृत किया कि वे गंगा समितियों से धन का उपयोग व्यक्तियों के सम्मानजनक दाह संस्कार के लिए कर सकते हैं। यह बात एनएमसीजी के प्रमुख ने कही। गंगाः रीइमेजिनिंग, रिजुवेनेटिंग, रीकनेक्टिंग नामक पुस्तक में, इसके सह-लेखक एवं राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के महानिदेशक राजीव रंजन मिश्रा ने कहा कि ऐसे गरीब व्यक्तियों की संख्या कुछ ही दिन में तिगुनी हो गई थी जिन्होंने अपना सारा पैसा कोविड-19 से लड़ने के लिए डॉक्टरों और दवाओं पर खर्च कर दिया था।उन्होंने कहा कि वे दाह संस्कार के लिए खर्च करने की स्थिति में नहीं थे। मिश्रा ने पुस्तक में कहा, मैंने जिला अधिकारियों को जिला गंगा समितियों के धन का उपयोग जरूरत पड़ने पर सम्मानजनक दाह संस्कार के लिए करने के लिए अधिकृत किया। इसके बाद राज्य की ओर से भी वित्तीय मदद से ऐसे मामलों में मदद देने के लिए भी कार्वाई शुरू हुई। उन्होंने लिखा कि जैसे ही कोविड-19 महामारी के कारण शवों की संख्या कई गुना बढ़ी शवों को गंगा नदी में बहाया जाना लगा। उन्होंने तैरते शवों के दृश्यों को दर्दनाक और झंकझोर देने वाला अनुभव बताते हुए कहा कि उनका काम गंगा नदी की स्थिति संरक्षक होना था, इसके एवं इसकी सहायक नदियों के प्रवाह को फिर से पुराने स्वरूप में लाने सुनिश्चित करना था। उन्होंने कहा, नदी के संरक्षण के लिए पांच साल का काम कुछ ही दिनों में बेकार होता प्रतीत हो रहा था। मिश्रा ने कहा कि विभिन्न जिलाधिकारियों और पंचायत समितियों की रिपोर्ट के अनुसार, नदी में डाले गए शवों की संख्या 300 से अधिक नहीं थी। उन्होंने कहा, यह समस्या केवल उत्तर प्रदेश (कन्नौज और बलिया के बीच) तक ही सीमित थी और बिहार में पाए गए शव उत्तर प्रदेश से तैरकर जा रहे थे। उन्होंने कहा, मुझे एक नदी के कायाकल्प की जिम्मेदारी लेने के लिए कहा जा रहा था जो स्वास्थ्य सेवाओं में कमी व निकायों की असमर्थता के कारण और प्रदूषित हो गई थी।

ओमीक्रोन पर बिल गेट्स की डराने वाली चेतावनी- दुनिया महामारी के सबसे बुरे दौर की तरफ बढ़ रही, मैंने छुट्टियां कैंसल कर दीं...

वाशिंगटन। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने लोगों से गंभीर रूप से बीमार होने से बचने के लिए जल्दी से अपना टीकाकरण करवाने का आग्रह किया है। उन्होंने आगाह किया कि ओमीक्रोन प्रकार के मामले बढ़ना 'महामारी के सबसे बुरे हिस्सा' के रूप में उभर सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक कोरोना वायरस का ओमीक्रोन स्वरूप डेल्टा स्वरूप से तेजी से फैल रहा है और यह पहले से टीका लगवा चुके लोगों या कोविड-19 से उबर चुके लोगों में संक्रमण का कारण बन रहा है। गेट्स (66) ने कहा, 'मुझे पता है कि कोविड के एक और मंडराते खतरे के बीच छुट्टियों के मौसम का आना निराशाजनक है। लेकिन यह हमेशा ऐसा नहीं रहेगा। किसी दिन महामारी समाप्त हो जाएगी, और बेहतर होगा कि हम एक-दूसरे की देखभाल करें। वह समय जल्दी आयेगा।' अरबपति परोपकारी ने ट्वीट किया, 'जैसे ही लग रहा था कि जीवन सामान्य होने वाला है, अब हम वैश्विक महामारी के बुरे दौर में प्रवेश कर रहे हैं।

ओमीक्रोन हम सबको प्रभावित करेगा। मेरे जिन करीब दोस्तों को अब संक्रमण हो गया है और मैंने अपनी छुट्टियों की ज्यादातर योजनाएं रद्द कर दी हैं।' गेट्स की संस्था (बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन) कोविड-19 टीकों को विकसित करने और वितरित करने के प्रयास का हिस्सा रही है। उन्होंने कहा कि बूस्टर मिलने से सबसे अच्छी सुरक्षा मिलती है। गेट्स ने ट्वीट किया, 'सबसे बड़ी अज्ञात बात यह है कि ओमीक्रोन आपको कितना बीमार बना सकता है। हमें इसे गंभीरता से लेना होगा जब तक कि हमें इसके बारे में ज्यादा नहीं पता चल जाता।

बदल रहा चीन: महिलाएं पति की आपत्ति के बावजूद सिजेरियन प्रसव चुन सकेंगी, कानून में संशोधन जल्द

बाजिंग। चीन में जल्द ही गर्भवती महिलाएं पति की आपत्ति के बावजूद सिजेरियन प्रसव चुन सकेंगी। सरकार उन्हें यह हक देने जा रही है। शक्तिशाली परंपराओं वाले चीनी समाज के उलट इस कदम को महिला अधिकारों की रक्षा की दिशा में ताजा कदम माना जा रहा है। चीन की संसदीय स्थायी समिति इस हफ्ते महिला अधिकार व हित संरक्षण कानून संशोधन समेत कई विधेयकों पर चर्चा के लिए बैठक करेगी। यह कानून सबसे पहले 1992 में पारित हुआ था। फिलहाल, पति की मंजूरी के बाद ही कोई अस्पताल गर्भवती को सिजेरियन प्रसव की अनुमति देता है।

पुरानी समस्याएं नहीं हुईं खत्म

यह कानून कई वर्षों से प्रभाव में है, लेकिन समाज व अर्थव्यवस्था की तरक्की के साथ कुछ समस्याएं खत्म नहीं हुईं और कुछ नई दिक्कतें भी सामने आ खड़ी हुईं। लिहाजा, इसमें संशोधन किया जाएगा। -ही यीतिंग, सामाजिक मुद्दों के संसदीय अधिकारी

झेलना पड़ता है पारिवारिक-सामाजिक दबाव

मौजूदा कानून के तहत महिलाओं को बराबर अधिकार मिले थे, लेकिन अब भी उन्हें विवाह व बच्चे पैदा करने से लेकर करियर बनाने तक में पारिवारिक-सामाजिक दबावों का सामना करना पड़ता है।

चीनी समाज में बहस तेज

नए कानून पर भी चीनी समाज में बहस तेज हो गई है। कुछ लोगों का कहना है कि सिजेरियन प्रसव से महिला और शिशु को नुकसान हो सकता है। ऑपरेशन कराने वाली माताओं को ठीक होने में भी ज्यादा समय लगेगा।

शीर्ष धार्मिक निकाय ने कहा- श्रीलंकाई नागरिक की लिंचिंग पूरी तरह इस्लाम के खिलाफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के शीर्ष धार्मिक निकाय ने कहा कि कानून को हाथ में लेना कुरान, शरीयत की शिक्षाओं और संविधान के खिलाफ है। निकाय ने हाल ही में देश के पंजाब प्रांत में श्रीलंकाई नागरिक की पीट-पीटकर हत्या किए जाने के दोषियों को कानून के हवाले करने की मांग करते हुए यह बात कही। इस महीने की शुरुआत में कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के समर्थकों ने ईशनिंदा के आरोप पर सियालकोट में कपड़े के एक कारखाने पर हमला कर दिया था और इसके महाप्रबंधक प्रियंता कुमार दियावदाना की पीट-पीटकर हत्या कर उसकी लाश को आग लगा दी थी। मामले में 900 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। कुल 150 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। 'काउंसिल ऑफ इस्लामिक आइडियोलॉजी' (सीआईआई) के अध्यक्ष डॉ. किबला अय्याज ने कहा कि देश के सामने एक गंभीर मुद्दा कानूनों को लागू करना है और सियालकोट जैसी घटना को फिर से होने से रोकने के लिए न्यायिक प्रणाली में सुधार की जरूरत है।

सबसे महंगा तलाक: दुबई की राजकुमारी के बॉडीगार्ड से थे रिश्ते, अवैध संबंध छुपाने के लिए पानी की तरह पैसा बहाया

लंदन। ब्रिटेन के इतिहास में सबसे बड़े तलाक निपटारे के रूप में सामने आए दुबई के किंग शेख मोहम्मद बिन राशिद अल-मकतूम व उनकी सबसे छोटी पत्नी राजकुमारी हया के मामले ने दुनिया भर की नजरें अपनी ओर खींची हैं, लेकिन इस मामले ने शेख और राजकुमारी हया की आलीशान जिंदगी को भी दुनिया के सामने ला दिया है। यहां तक कि राजकुमारी हया ने अपने अवैध संबंध छुपाने के लिए पानी की तरह पैसा बहाया।

राजकुमार ने बच्चों के खातों से निकाला पैसा

इस मामले में एक और बात निकलकर सामने आई है कि 47 वर्षीय राजकुमारी हया ने अपनी 10 वर्षीय बेटी के खाते से 7.5 मिलियन डॉलर रुपये निकाले थे। इन रुपयों का भुगतान उन्होंने अपने बॉडीगार्ड(अंगरक्षक) का मुंह बंद कराने के लिए किया था, जिसके साथ राजकुमारी हया के अवैध संबंध थे। मंगलवार को ब्रिटिश मीडिया में छपी रिपोर्टों के मुताबिक, राजकुमारी ने अदालत में बताया कि 'मैं डर गई थी और उस खाते में पैसा मौजूद था।'

अवैध संबंध का पता चलने पर दिया था तलाक

72 वर्षीय शेख मोहम्मद बिन राशिद अल-मकतूम ने अपनी पत्नी राजकुमारी हया के अवैध संबंध के बारे में पता चलने पर उन्हें तलाक दे दिया, जिस कारण मामला कोर्ट में गया और कोर्ट ने शेख को तलाक निपटारे के रूप में लगभग 5500 करोड़ रुपये (554 मिलियन पाउंड) का भुगतान करने

का आदेश दे दिया, जिससे राजकुमारी हया और उनके बच्चों की सुरक्षा हो सके और उनका भविष्य भी सुरक्षित रह सके। कोर्ट ने कहा कि राजकुमारी और उनके बच्चों की शेख से सुरक्षा जरूरी है क्योंकि, शेख बेवफाई को अपराध मानते हैं।

आलीशान हवेलियों के मालिक हैं शेख और राजकुमारी हया-शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने 2004 में राजमुकारी हया बिंब अल हुसैन से शादी की थी। वह शेख की छठवीं पत्नी थीं। शेख से शादी करने के बाद राजकुमारी हया और उनके बच्चों के पास बेशुमार दौलत थी। हया के पास एक 400 मिलियन पाउंड की नौका और निजी विमानों का बेड़ा था। हया ने 2016 में ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी के घर केंसिंग्टन पैलेस के पास एक हवेली को 87.5 मिलियन पाउंड में खरीदा था। अब इसकी कीमत लगभग 100 मिलियन पाउंड है। इस हवेली को खूबसूरत बनाने के लिए राजकुमारी ने 14.7 मिलियन पांउड खर्च किए थे। इसके अलावा बर्कशायर और कैसलवुड हवेली के रखरखाव के लिए 770,000 पाउंड सालाना देने की मांग राजकुमारी ने की है।

शेख के पास घुड़दौड़ के 400 घोड़े -शेख दुनिया के सबसे प्रभावशाली घोड़ों के मालिक के रूप में जाने जाते हैं। अपने भाई के साथ मिलकर उन्होंने गोडॉल्पिन हॉर्स रेसिंग स्टबल की स्थापना की थी। जब शेख की राजकुमारी हया के साथ शादी हुई तो उनके पास करीब 400 घोड़े थे। राजकुमारी हया ने अदालत में कहा कि उनके और उनके बच्चों के पास अभी करीब 60 घोड़े हैं, जिनके मुआवजे के तौर पर उन्होंने 75 मिलियन पाउंड की मांग की थी।

अमेरिका ने चीन की 'ब्रेन-कंट्रोल हथियार' व सेना की सहायता करने वाली कई कंपनियां की ब्लैकलिस्ट

वाशिंगटन। अमेरिका और चीन के बीच कोविड, हिंद-प्रशांत, ताइवान व अन्य कई मामलो को लेकर तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ड्रैगन की आक्रमकता और साजिशों को रोकने के लिए अमेरिका ने चीन की सैन्य चिकित्सा विज्ञान अकादमी और 11 संबद्ध जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थानों को ब्लैक लिस्ट कर दिया है। आरोप है कि ये चीनी कंपनियां 'मस्तिष्क-नियंत्रण' हथियार विकसित करने में चीनी सेना की मदद कर रही थीं।

हाल के दिनों में अमेरिका ने कुल ऐसी 34 कंपनियों पर कार्रवाई की है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने संदिग्ध अनुसंधान संस्थानों को उस सूची में डाल दिया, जो अमेरिकी कंपनियों को अमेरिका में उत्पन्न होने वाली तकनीक को चीनी संस्थानों को निर्यात करने से रोकता है। अमेरिकी वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो ने कहा, ÷चीन अपने लोगों पर नियंत्रण, जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यक समूहों के सदस्यों के

दमन के लिए इन तकनीकों का उपयोग कर रहा है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि चीन भविष्य में सैन्य अनुप्रयोगों को विकसित करने की कोशिश करने के लिए जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहा था जिसमें 'जीन संपादन, मानव प्रदर्शन में वृद्धि (जिससे इंसानों की शारीरिक और मानसिक ताकत बढ़ाई जा सके) और मस्तिष्क मशीन इंटरफेस'शामिल थे। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने दुनिया के सबसे बड़े वाणिज्यिक ड्रोन निर्माता DJI और सात अन्य समूहों को 'चीनी सैन्य-औद्योगिक जटिल कंपनियों' की सूची में रखा। आरोप है कि ये कंपनियां चीन में उइगर मुसमानों की निगरानी को सुविधाजनक बनाने की कोशिश कर रही थीं। वहीं अमेरिकी निवेशकों को उन पांच दर्जन चीनी समूहों में निवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है जो अब ट्रेजरी ब्लैकलिस्ट पर हैं। बता दें कि बाइडेन प्रशासन ने चीन पर उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में 'नरसंहार' में शामिल होने का आरोप लगाया है, जहां 10 लाख से अधिक उइगर और अन्य जातीय अल्पसंख्यकों को शिविरों में हिरासत में लिया गया है। चीनी अधिकारी झिंजियांग में बड़े पैमाने पर निगरानी के लिए बायोमेट्रिक चेहरे की पहचान का उपयोग कर रहे थे और शिनजियांग के सभी निवासियों से 12 से 65 वर्ष की आयु के डीएनए नमूने एकत्र किए थे. वाशिंगटन में चीनी दूतावास ने शिनजियांग के बारे में अमेरिकी दावों और हथियारों के लिए जैव प्रौद्योगिकी के उपयोग को 'निराधार' बताया है।

त्युदंड के खिलाफ मानवाधिकार संगठनों ने उठाई आवाज, इस बीच तीन लोगों को दे दी फांसी

टोक्यो। जापान में तीन लोगों को फांसी पर चढ़ा दिया गया। देश में मृत्युदंड के खिलाफ मानवाधिकार संगठनों द्वारा उठाई जा रही आवाज के बीच पिछले दो सालों में पहली बार फांसी दी गई है। देश के नए बने प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के कार्यकाल में पहली बार यह सजा हुई है।

इन तीनों में एक यासुटाका फजिशिरो को 2004 में सात लोगों की हत्या करने एवं उनके घर में आग लगाने का दोषी ठहराया गया था जबकि दो अन्य तोमोआकी ताकनेजावा एवं मित्सूनोरी ओनोगावा को 2003 में पिनबॉल पार्लर (जहां बॉल का एक खेल होता है) के दो कर्मियों की हत्या का कसूरवार पाया गया।

सुबह तक फांसी पर चढ़ाए जाने की जानकारी नहीं दी गई

जापान के उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में सुबह इन तीनों को फांसी पर चढ़ाया गया। उन्हें सुबह तक फांसी पर चढ़ाए जाने की जानकारी नहीं दी गई थी। सन् 2007 से जापान फांसी पर चढ़ाये जाने वालों तथा उनके अपराधों के बारे में कुछ जानकारियां देने लगा है लेकिन वह सूचना अब भी सीमित होती है। न्याय मंत्री योशिहिसा फुरूकावा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि तीनों ने बहुत ही 'घृणित अपराध' किया था और यह सजा उपयुक्त थी।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में कट्टरपंथियों की जीत से घबराई इमरान की पार्टी, की जांच की मांग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में स्थानीय प्रशासन के चुनाव में कट्टरपंथियों की जीत से इमरान खान की पार्टी टेंशन में है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री फवाद हुसैन ने मंगलवार को कहा कि देश में तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम जैसी कट्टरपंथी पार्टियों की जीत इस बात का प्रतीक है कि समाज पीछे जा रहा है। खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को स्थानीय प्रशासन के लिए हुए चुनाव में सत्ताधारी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की हार को लेकर फवाद चौधरी से सवाल पूछा गया था। PTI ने इस चुनाव परिणाम को लेकर जांच की मांग उठाई है। 2013 से लगातार दूसरी बार प्रांत में सरकार चला रही इमरान खान की पार्टी को चुनाव में सबसे ज्यादा नुकसान उठाना

पड़ा है। दूसरी तरफ मौलाना फजलुर रहमान की पार्टी जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम विजेता के तौर पर उभरी। फवाद चौधरी ने जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम को अतिवादी पार्टी बताते हुए कहा कि उन्हें इस बात की निराशा है कि इसे स्थानीय प्रशासन के चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें मिली हैं। इससे पता चलता है कि देश में चीजें सही नहीं हो रही हैं।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अफगानिस्तान में 20 साल तक चली आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अपने देश के शामिल होने को लेकर दुख जताया। उन्होंने कहा कि इसने देश को घाव ही दिया। यह फैसला जनहित में नहीं, बल्कि पैसों के लिए लिया गया था। इमरान ने कहा, 2001 में मैं नीति निर्धारकों के काफी करीब था, जब सैन्य शासक परवेज मुशर्रफ ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने का फैसला लिया था। इसलिए मुझे पता है कि किन कारणों से यह फैसला लिया गया था।

समुद्र तट पर जहाजों के डूबने से 160 से ज्यादा शरणार्थियों की हुई मौत

काहिरा। लीबिया में पिछले हफ्ते से लेकर अब तक दो अलग-अलग जहाजों में सवार 160 से अधिक शरणार्थी डूब गए। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासी संगठन की प्रवक्ता सफा सेहली ने बताया कि शुक्रवार को लीबिया तट पर लकड़ी की नौका डूबने से कम से कम 102 शरणार्थियों की मौत हो गई, जिसमें से आठ अन्य को बचा लिया गया।

तीन दिन बाद लीबिया तटरक्षक बबल ने एक अन्य जहाज के मलबे से कम से कम 62 शरणार्थियों के शव बरामद किए। उन्होंने बताया कि कम से कम 210 शरणार्थियों को ला रही एक अन्य नौका को रोका गया और लीबिया वापस लाया गया। सेहली ने बताया, इन मौतों से मध्य भूमध्यसागर के रास्ते में डूबने वाले शरणार्थियों की संख्या इस वर्ष करीब 1,500 हो गई है।

अमेरिका में ओमिक्रॉन: 1000 सैनिक तैनाती को तैयार, जर्मनी भी बड़े आयोजनों पर बरतेगा सख्ती

वाशिंगटन । अमेरिका में क्रिसमस से पहले ओमिक्रॉन के बढ़ते केस देख बाइडन प्रशासन ने बड़ी योजना बनाई है। इसके तहत सरकार घर पर होने वाले कोरोना परीक्षण की 50 करोड़ किटें खरीदकर उनका मुफ्त वितरण करेगी। साथ ही 1,000 सैनिक अस्पतालों व छह राज्यों में रवाना होने के लिए तैयार है। इस बीच, टेक्सास प्रांत में ओमिक्रॉन से पहली मौत का मामला सामने आया है, जिसने टीका नहीं लिया था।

क्रिसमस से पहले ब्रिटेन-यूरोप के साथ अमेरिका में भी कोविड-19 का ओमिक्रॉन वैरिएंट कहर ढा रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया, देश में आ रहे कोरोना के नए मामलों में 73.2 प्रतिशत केस इसी वैरिएंट के हैं। इस बीच, अमेरिका के टेक्सास प्रांत में ओमिक्रॉन वैरिएंट से पहली मौत का पता चला है। हैरिस काउंट स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक मृतक ने अब तक कोरोना का कोई भी टीका नहीं लिया था। उधर, राष्ट्रपति जो बाइडन टीकों की जरूरत और ओमिक्रॉन के फैलने से बढ़ते संकट के बीच बुधवार (भारतीय समयानुसार) को कुछ घोषणाएं करेंगे। एक वरिष्ठ अफसर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि बाइडन देश के अस्पतालों व 6 राज्यों (मिशिगन, इंडियाना, विस्कॉन्सिन, एरिजोना, न्यू हैम्पशायर व वर्मोंट) में 1,000 सैनिक उतारने की तैयारी में हैं। वे शट डाउन के पक्ष में नहीं लेकिन लोगों को कई योजनाएं देने जा रहे हैं।

टीका व कोरोना परीक्षण की रणनीति- बाइडन प्रशासन घर पर कोरोना परीक्षण करने वाली 50 करोड़ किटें खरीदकर मुफ्त बांटने के अलावा नए परीक्षण स्थल भी स्थापित करने जा रहे हैं। इन परीक्षण स्थलों के निर्माण में सहायता के लिए रक्षा उत्पादन अधिनियम का इस्तेमाल किया जाएगा। पॉप-अप टीकाकरण स्थल भी होंगे। लेकिन व्हाइट हाउस ने कहा कि इन सबके बावजूद बाइडन प्रशासन की मंशा लॉकडाउन लगाने की नहीं है। बाइडन लोगों को टीका और कोरोना परीक्षण के लिए प्रोत्साहित करने की रणनीति अपनाएंगे। बता दें, राष्ट्रीय दर से पता चलता है कि अमेरिका में पिछले हफ्ते ओमिक्रॉन वैरिएंट के 6,50,000 से अधिक मामले आए।

जर्मनी में बड़े खेल आयोजनों पर सख्ती- ओमिक्रॉन को देखते हुए जर्मनी 28 दिसंबर से बड़े खेल आयोजनों में सख्ती बरती जाएगी। चांसलर ओलाफ स्कोल्ज ने कहा कि ऐसे आयोजनों में दर्शकों के आने पर प्रतिबंध और नए साल की पार्टियों में सिर्फ 10 लोगों के मौजूद रहने जैसी पाबंदियां लगाई जाएंगी।

न्यूजीलैंड ने कई कदमों की घोषणा- न्यूजीलैंड ने कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन स्वरूप को दूर रखने के लिए मंगलवार को घोषित उपायों में कोविड-19 टीके की दूसरी खुराक व अतिरिक्त खुराक में अंतर कम करने और अपनी सीमाओं को चरणबद्ध रूप से पुन: खोलने का समय बढ़ाने की घोषणा की है। कोरोना मामलों को मंत्री क्रिस हिपकिंस ने कहा, सरकार ओमिक्रॉन खतरे के मद्देनजर 'कई एहतियाती उपायों' के लिए सहमत हो गई है।

जश्न का रद्द होना, जिंदगी खत्म होने से बेहतर - डब्ल्यूएचओ

डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए फिलहाल किसी भी तरह के जश्न को रद्द किया जा सकता है। संस्था के निदेशक डॉ. ट्रेड्रोस गेब्रेयेसिस ने कहा, एक जश्न का रद्द होना जिंदगी के खत्म होने से अच्छा है। यह अच्छा है कि अभी क्रिसमस के कार्यक्रमों को फिलहाल रद्द करें और बाद में इसका जश्न मनाएं, क्योंकि छुट्टियों में सोशल मिक्सिंग के साथ केस तेजी से बढ़ेंगे।

बूस्टर खुराक लेना जरूरी

ओमिक्रॉन स्वरूप के बारे में शुरुआती अध्ययनों से पता चला है कि टीके की खुराक ले चुके लोगों को ओमिक्रॉन संक्रमण से बचने के लिए बूस्टर खुराक लेना जरूरी होगा। हालांकि वैज्ञानिक मानते हैं कि बूस्टर खुराक के बिना भी टीकाकरण से गंभीर रूप से बीमार पड़ने और मौत होने से बचा जा सकता है।

भारत के छह पर्यटकों को नेपाल में नहीं मिला प्रवेश

भारत-नेपाल सीमा पर कोरोना को देखते हुए विशेष निगरानी बरती जा रही है। भारत से नेपाल आने-जाने वाले लोगों की आईडी जांच करने के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। मंगलवार को बिना आईडी के नेपाल जा रहे दिल्ली और महाराष्ट्र के छह भारतीय पर्यटकों को नेपाल पुलिस ने वापस लौटा दिया।

सरहद पर मुख्य मार्ग से आने वाले लोगों की आईडी के साथ आरटीपीसीआर रिपोर्ट की जांच देखने के बाद ही नेपाल में प्रवेश दिया गया। बेलहिया नेपाल डेस्क स्वास्थ्य कर्मी ओमनाथ चौधरी ने बताया कि सख्ती के बावजूद पहचान (आईडी) मेल से दिखाने पर कुछ लोगों को एंटीजन टेस्ट के बाद प्रवेश दिया गया।

एस्ट्राजेनेका टीके से बना सुरक्षा कवच बस तीन माह

ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका के टीके (भारत में कोविशील्ड) से बनी इम्युनिटी तीन माह बाद खत्म हो जाती है। लैंसेट जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार टीके की दोनों डोज लगवाने के तीन माह बाद रोग प्रतिरोधक क्षमता खत्म हो जाती है।

वैज्ञानिकों ने एस्ट्राजेनेका की खुराक लेने वाले स्कॉटलैंड में 20 लाख और ब्राजील में 4.2 करोड़ लोगों पर अध्ययन के बाद ये दावा किया है। उनके मुताबिक ऐसी स्थिति में टीकाकरण के बूस्टर डोज कार्यक्रम की जरूरत होगी।

ब्रिटेन में ओमिक्रॉन : पीएम जॉनसन का सख्त लॉकडाउन से इनकार, महारानी का क्रिसमस को लेकर कड़ा फैसला

लंदन। दुनिया में कोरोना के नए वैरिएंट को लेकर काफी चिंता है। तेजी से फैलने वाले ओमिक्रॉन को लेकर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इंग्लैंड में क्रिसमस से पहले सख्त लॉकडाउन लागू करने से मंगलवार को इनकार किया और उन्होंने कहा कि ओमिक्रॉन वैरिएंट से संबंधित आंकड़ों की समीक्षा की जाएगी। अगले हफ्ते के बाद लॉकडाउन पर विचार करेंगे। ब्रिटेन में 90,629 नए कोरोना के मामले सामने आए, वहीं सोमवार को इससे ज्यादा 91,743 कोरोना के मामले दर्ज किए गए। वहीं इन मामलों में ओमिक्रॉन के मामले शामिल हैं। कोरोना मामले सामने आने के बाद पीएम जॉनसन से एक वीडियो

क्लिप जारी की है।

उन्होंने विडियो क्लिप जारी कर कहा कि ओमिक्रॉन पर बहुत बारीकी से निगरानी रखी जा रही है। अगर स्थिति बिगड़ती है तो हम जरूरत पड़ने पर कार्रवाई करेंगे। आगे कहा कि ओमिक्रॉन उस गति से फैला।

साथ ही कहा सरकार आंकड़ों की बारीकी से निगरानी करना जारी रखेगी और यदि आवश्यक होगी तो क्रिसमस के बाद कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि लोग अपनी क्रिसमस योजनाओं के साथ आगे बढ़ सकते हैं, लेकिन उनको सावधानी बरतनी चाहिए, और उन्होंने सभी से अपील की कि सब नागरिक बूस्टर डोज जरूर लें।

महारानी ने पारंपरिक क्रिसमस योजना रद्द की

ब्रिटेन में कोविड-19 के ओमिक्रॉन वैरिएंट मामलों में वृद्धि के बीच महारानी एलिजाबेथ को पूर्वी इंगलैंड के नॉरफोक में अपने सैंड्रिगम एस्टेट पर पारंपरिक क्रिसमस योजना छोड़नी पड़ी है। उन्होंने यात्रा रद्द करने का फैसला किया जिसे बकिंघम पैलेस ने व्यक्तिगत निर्णय करार दिया है।

पाकिस्तान ने किया बाबर क्रूज मिसाइल का परीक्षण, दोगुनी मारक क्षमता का किया दावा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अपने देश में बनी सतह से सतह पर मार करने वाली बाबर क्रूज मिसाइल की उन्नत रेंज का सफल परीक्षण किया है। यह मिसाइल पिछली मिसाइल से दोगुनी क्षमता की है और 900 किलोमीटर तक हमला कर सकती है। पाकिस्तानी सेना ने परीक्षण की पुष्टि करते हुए बताया कि पुरानी मिसाइल के पास सिर्फ 450 किमी तक हमला करने की सीमित क्षमता थी। सेना ने कहा, बाबर मिसाइल उच्च सटीकता के साथ जमीन और समुद्र में भी लक्ष्य भेदने में सक्षम है। पाकिस्तानी थल सेना ने एक बयान में कहा, बाबर मिसाइल जमीन पर और समुद्र में अधिक सटीकता से लक्ष्य को भेदने में सक्षम है।

सेना के मुताबिक बाबर क्रूज मिसाइल 1बी के परीक्षण को सामरिक योजना प्रभाग के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल जकी मांज सहित वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने देखा। भारतीय वायुसेना ने हाल ही में लड़ाकू विमान सुखोई-30 एमके-1 में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के एयर वर्जन का सफल परीक्षण किया था। इस मिसाइल को पूरी तरह से देश में ही विकसित किया गया है। इसमें रैमजेट इंजन का उपयोग किया गया है, जो इसकी गति को बढ़ाती है और सटीकता और ज्यादा घातक बनाती है। इसकी सटीक रेंज 500 किलोमीटर है, जिसे और भी बढ़ाया जा सकता है।

एक नजर

सील संपत्तियों को डी सील करने के निर्देश

नई दिल्ली। दक्षिणी निगम अपने क्षेत्राधिकार में आने वाली संपत्तियों पर अनाधिकृत निर्माण एवं अन्य कारणों से समय समय पर सीलिंग की कार्रवाई करता है जिसके कारण बहुत सारी संपत्तियां कई वर्षों से सील पड़ी हुई है एवं संपत्ति मालिकों द्वारा सील खोलने के लिए आवेदन देने के बावजूद भी सील खोलने की कार्रवाई नही की जा रही है, जिससे आम नागरिकों में भारी असंतोष है। यह बात दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के नेता सदन इन्द्रजीत सहरावत ने कही। उन्होंने बताया कि उपर्युक्त प्रस्ताव बुधवार को निगम की साधारण सभा प्रस्तुत किया गया, जिसमें कहा गया कि दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की सभा संकल्प करती है और निगमायुक्त को निर्देश देती है कि उन संपत्तियों को छोड़कर जिनकी सीलिंग किसी भी कोर्ट के आदेशानुसार हुई है बाकी सभी संपत्तियों की सील खोल दी जाए यह प्रस्ताव ध्वनि मत से प्रारित कर दिया गया।

शहजाद बने आईटी विभाग के प्रभारी

नई दिल्ली। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने गुरूवार को राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला को प्रदेश के आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग का प्रभारी,विनीत गोयंका को प्रदेश भाजपा का प्रवक्ता नियुक्त किया। ये दोनों नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

आईपी यूनिवर्सिटी ने दिव्यांगों के लिए शुरू की ई-मैगजीन

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी ने दिव्यांग लोगों के लिए ई-मैगजीन समावेश एंड अभिगम्यता की शुरुआत की। मैगजीन के चार अंक निकल चुके हैं, सारे अंक कंटेंट की दृष्टि से एक से बढ़कर एक हैं। मैगजीन की संपादक शालिनी गर्ग हैं। एथलीट नितिन गुप्ता, पीसीआई की अध्यक्षा दीपा मलिक, एसएआई के निदेशक सतीश सरहदी मैगजीन के अलग-अलग अंको में कंट्रिब्युट कर चुकें हैं। शालिनी गर्ग ने बताया कि कोरोना काल में इसे शुरू करने का खयाल आया। आज यह पहल इन लोगों कि आवाज को मुखर करने का एक ससक्त माध्यम है।

ग्रीन दिल्ली ऐप पर सबसे ज्यादा शिकायतें एमसीडी, डीडीए और पीडब्ल्यूडी की

नई दिल्ली। प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में सबसे अहम कड़ी साबित हो रहे ग्रीन दिल्ली ऐप पर सबसे ज्यादा शिकायतें एमसीडी, डीडीए और पीडब्ल्यूडी की आई हैं। गुरुवार को इसकी जानकारी देते हुए दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि सरकार ने ग्रीन दिल्ली ऐप के माध्यम से मिली शिकायतों में से 32897 को दूर कर चुकी है। ग्रीन दिल्ली ऐप के माध्यम से 34411 शिकायतें अभी तक आई हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक ग्रीन दिल्ली ऐप पर आईं प्रदूषण संबंधी 96 फीसदी शिकायतों का निपटारा कर दिया गया है। ग्रीन दिल्ली ऐप के माध्यम से दिल्ली का कोई भी नागरिक प्रदूषण संबंधी शिकायत कर सकता है, जिसके आधार पर कार्रवाई की जाती है।

ओमीक्रोन से निपटने के लिए सरकार पूरी तरह से तैयार: केजरीवाल

● होम आइसोलेशन को कर रहे हैं और मजबूत

■ नई दिल्ली

ओमिक्रॉन से निपटने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को सभी विभागों के साथ बैठक कर इससे जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान सीएम ने बताया कि ओमिक्रॉन से निपटने के लिए अस्पताल, बेड, दवाइयों और ऑक्सीजन का पुख्ता इंतजाम है और होम आइसोलेशन को हम और मजबूत कर रहे हैं। हमने टेस्ट क्षमता को बढ़ा दी है, अब जरूरत पड़ने पर हम तीन लाख टेस्ट प्रतिदिन कर पाएंगे। हम प्रतिदिन एक लाख केस को आधार मानकर अपनी तैयारियों को अंजाम दे रहे हैं। अभी हमारे पास एक दिन में 1100 घरों का दौरा की क्षमता है, जिसे बढ़ाकर एक लाख किया जा रहा है। पिछली बार ऑक्सीजन के परिवहन में दिक्कत आई थी। इसे देखते हुए 15 टैंकर्स ले रहे हैं, जो अगले तीन हफ्ते में आ जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीरो सर्वे में 95 फीसद लोगों में एंटीबॉडीज मिली है और 70 फीसद लोगों को वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी है, तो संभव है कि ओमिक्रॉन का प्रकोप ज्यादा न हो। फिर भी अगर ओमिक्रॉन फैलता है, तो चिंता करने की जरूरत नहीं है। इससे निपटने के लिए दिल्ली सरकार पूरी तरह से तैयार है। बता दें कि इस बैठक में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन, राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत के अलावा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से ओमिक्रॉन को लेकर सरकार की तरफ से की जा रही तैयारियों का विस्तृत ब्यौरा लिया। साथ ही, कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। वहीं, मुख्यमंत्री ने डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेस कर समीक्षा बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि ओमिक्रॉन को लेकर सब लोग काफी चिंतित हैं। क्योंकि पूरी दुनिया से जो खबरें आ रही हैं, उसके अनुसार, यह बहुत तेजी से फैलने वाला वायरस है। ओमिक्रॉन की मोटे-मोटे तौर पर दो विशेषताएं हैं। पहला, यह बहुत तेजी से फैलता है। दूसरा, इसके लक्षण काफी हल्के हैं। इसमें बहुत कम लोगों को अस्पताल में भर्ती होने पड़ते हैं और मौतें भी काफी कम होती है। इसी को मद्देनजर रखते हुए हमने अपनी सारी तैयारियां की है।

होम आइसोलेशन प्रणाली को मजबूत कर रही सरकार

कोरोना की बीती लहरों के दौरान मरीजों की अच्छी देखभाल करने में होम आइसोलेशन प्रणाली काफी मददगार साबित हुई थी। इसलिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर होम आइसोलेशन प्रणाली को और मजबूत किया जा रहा है। जिससे कि कोरोना के हल्के लक्षण वाले मरीजों को घर पर ही अच्छे से इलाज दिया जा सके।

ओमीक्रोन के लक्षण हल्के हों, तो अस्पताल न भागें लोग: सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर ओमिक्रॉन तेजी से फैलता है, तो हमारा इंफ्रास्ट्रक्चर काफी मजबूत होनी चाहिए। इसे देखते हुए हमने प्रतिदिन तीन लाख टेस्ट करने की अपनी क्षमता बनाई है। अगर जरूरत पड़ेगी, तो दिल्ली में तीन लाख टेस्ट प्रतिदिन हो सकेंगे। अभी दिल्ली में 60 से 70 हजार टेस्ट प्रतिदिन करते हैं, लेकिन अगर तीन लाख टेस्ट प्रतिदिन करने की जरूरत पड़ी, तो हम कर सकते हैं। दूसरा यह कि अप्रैल के महीने में जो कोरोना की लहर आई थी, उसमें एक दिन में अधिकतम 26 से 27 हजार केस आए थे।

हमारी मेडिकल टीम करेगी तत्काल संपर्क: केजरीवाल

सीएम ने कहा कि हम अपने होम आइसोलेशन प्रणाली को बहुत ही मजबूत बना रहे हैं। इसके तहत, जैसे ही टेस्ट के नतीजे आएंगे और यह पता चलेगा कि कोई व्यक्ति कोरोना से संक्रमित है, तो उसे तुरंत हमारे यहां से फोन किया जाएगा और उसको कहा जाएगा कि आपसे सरकार अब लगातार संपर्क में रहेगी। अगले दिन सरकार की तरफ से एक मेडिकल टीम उसके घर जाएगी। उसको एक किट देकर आएगी, जिसमें उसकी दवाइयां, जरूरत दिशा-निर्देश और ऑक्सीमीटर आदि होगा। इसके बाद डॉक्टर फोन पर उसकी 10 दिनों तक प्रतिदिन टेली काउंसलिंग करेंगे।

दिल्ली में अब तक लग चुकी हैं वैक्सीन की 2.51 करोड़ डोज

दिल्ली में वैक्सीनेशन के लिए पात्र 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या करीब 1.80 करोड़ है। दिल्ली सरकार अभी तक राजधानी में वैक्सीन की 2.51 करोड़ डोज लगा चुकी है। दिल्ली में अभी तक 1.475 करोड़ लोगों को वैक्सीन की एक डोज दी गई है। इसका मतलब दिल्ली में 99 फीसद लोगों ने वैक्सीन की एक डोल लगवा ली है। इसी तरह, 1.035 करोड़ लोगों को वैक्सीन की दोनों डोज दी जा चुकी है। अर्थात दिल्ली में करीब 70 फीसद लोग वैक्सीन की दोनों डोज ले चुके हैं। सरकार के पास प्रतिदिन तीन लाख डोज प्रतिदिन लगाने की क्षमता है। इस तरह, वैक्सीनेशन के मामले में अन्य मेट्रो शहरों के मुकाबले दिल्ली सबसे आगे है।

मातृभूमि सेवा संस्था को मिला वर्ष 2021 का 'त्रिमूर्ति बारहठ सम्मान'

नई दिल्ली

दिसम्बर ,1912 को स्वाधीनता संग्राम के प्रसिद्ध क्रांतिकारी बारहठ परिवार से ठा. जोरावर सिंह जी बारहठ तथा कुंवर प्रताप सिंह जी बारहठ ने दिल्ली के चाँदनी चौक में ब्रिटिश वायसराय लार्ड हार्डिंग पर बम फेंक अपनी निर्भीकता एवं शौर्य का परिचय दिया था। इस घटना के बाद ठा. जोरावर सिंह जी बारहठ तो पुलिस के हाथ नहीं आए किंतु ब्रिटिश हुकूमत ने 19 वर्षीय कुंवर प्रताप सिंह बारहठ को पकड़ कर बरेली जेल में डाल दिया जहाँ वो अमानवीय यातनाओं के कारण देशहित में बलिदान हुए। मातृभूमि की रक्षा में अपना सर्वस्व दाँव पर लगाने वाले अमर हुतात्माओं को श्रद्धांजलि देने के लिए 23 दिसम्बर को प्रति वर्ष 'शौर्य दिवस' के रूप में मनाया जाता है एवं क्रांतिकारियों की स्मृति में 'त्रिमूर्ति बारहठ सम्मान' दिया जाता है।

ठाकुर केसरी सिंह बारहठ स्मारक समिति शाहपुरा एवं अमर शहीद कुंवर प्रताप सिंह बारहठ संस्थान की ओर से राजस्थान के जिला भीलवाडा की तहसील शाहपुरा में 23 दिसम्बर को आयोजित शहीद मेले में वर्ष 2021 के लिए यह सम्मान बच्चों में मानवीय मूल्य और राष्ट्र-चेतना जगाने के लिए कार्यरत 'मातृभूमि सेवा संस्था' को दिया गया है। भूतपूर्व केंद्रीय मंत्री श्री कैलाश जी मेघवाल के अतिरिक्त प्रशासन, पुलिस एवं समाज के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में मातृभूमि सेवा संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए त्रिमूर्ति बारहठ सम्मान-2021 से सम्मानित किया गया । इस सम्मान को ग्रहण करने हेतु संस्था की ओर से संस्था के राष्ट्रीय संयोजक, राष्ट्रीय सचिव, फरीदाबाद उपाध्यक्ष क्रमशः श्री चन्द्र कांत, श्री राकेश कुमार, श्री संदीप सचदेवा एवं श्री संदीप सिंह जी उपस्थित थे।

दिल्ली सरकार कोरोना के ओमिक्रोन वेरिएंट से निपटने के इंतजाम को लेकर व्हाइट पेपर निकाले और जनता को बताए की उन्होंने क्या क्या तैयारी की है, दिल्ली वासियों के लिए: मुदित अग्रवाल

नई दिल्ली । दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष श्री मुदित अग्रवाल ने देश की राजधानी दिल्ली की दिन प्रतिदिन जिस प्रकार से पुनः कोरोना के नए मामले आरहे है उस पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा की दूसरी लहर में केजरीवाल सरकार ने दिल्लीवासियों को भगवान भरोसे छोड़ दिया था जिसके चलते पूरे साल दिल्ली की जनता परेशान रही, बीमार रही और डरी हुई थी। अब पुनः से कोरोना के नए मामले सामने निकल कर आ रहे है, इस पर दिल्ली सरकार की क्या तैयारी है, इसको लेके सीएम केजरीवाल अभी भी गंभीर नहीं नजर आ रहे हैं।

श्री मुदित अग्रवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार के सारे मंत्रीगण और स्वयं मुख्यमंत्री पंजाब, गोवा, उत्तराखंड और बाकी राज्यों में चुनाव प्रचार में व्यस्त है और सरकार की क्या नीति है आगे आने वाले समय के लिए इस पर प्रकाश डालने वाला कोई नहीं है, सरकार और मुख्यमंत्री फिर से एक बार पीआर मैनेजमेंट में लग गए है। उन्होंने यह भी कहा की दिल्ली सरकार को इस बार एक व्हाइट पेपर निकाल कर दिल्ली की जनता को यह विस्तार रूप से बताना चाहिए कि उन्होंने आने वाले दिनों को लेकर क्या क्या इंतजाम किए है। पिछली बार की तरह टेस्टिंग को लेके फर्जी आंकड़ों का मायाजाल, या ऑक्सीजन उपलब्ध कराने को लेकर बड़े बड़े झूठे वायदों से जनता का इस बार भला नही होगा। दिल्ली सरकार को इस बार यह स्पष्ट तरीके से बताना चाहिए कि उनके पास कितने आईसीयू बेड, ऑक्सीजन बेड और वेंटीलेटर बेड उपलब्ध है सरकारी अस्पतालों में।

श्री मुदित अग्रवाल ने यह भी कहा की दूसरी लहर में दिल्ली में दवाइयों की कालाबाजारी चरम पर थी, इस पर भी सरकार को इस बार ध्यान देना बहुत आवश्यक है, दिल्ली सरकार के सरकारी अस्पताल से त्रस्त होकर जनता पिछली बार प्राइवेट अस्पतालो में धक्का खा रही थी, प्राइवेट अस्पतालो में मनमाना पैसा वसूला गया जनता से जिसके चलते कई परिवार अभी तक ग्रस्त है। कालाबाजारी चाहे एम्बुलेंस की हो, दवाइयों की हो, ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर की हो, या प्राइवेट अस्पतालो में लूट की हो, इन सब पर इस बार सख्ती और कारवाई होना इस बार अत्यंत आवश्यक है।

श्री मुदित अग्रवाल ने यह भी मांग की सीएम केजरीवाल प्राइवेट अस्पतालो को भी एक एडवाइजरी के माध्यम से सचेत करे की इलाज के नाम पर जनता से मन माफिक तरीके से लूट बर्दास्त नही की जायेगी, सरकार प्राइवेट अस्पतालो के रेट टैरिफ को लेकर अधिसूचना जारी करे ताकि जनता से इलाज के नाम पर जबरन वसूली बंद की जा सके और इसके बारे में पहले से दिल्ली की जनता को सचेत किया जाए और टेस्टिंग व आरटी पीसीआर की सही जानकारी जनता के समक्ष प्रस्तुत करे ताकि इस बार दिल्ली की जनता दिल्ली सरकार के कृत्य के चलते भगवान भरोसे न बैठी रहे।

शिरोमणि अकाली दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा में शामिल

■ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता की उपस्थिति में गुरूवार को 1984 सिख दंगा पीढ़ित राहत कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं शिरोमणि आकाली दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरदार कुलदीप सिंह भोगल सहित सैकड़ों सिखों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। आदेश गुप्ता ने सरदार कुलदीप सिंह भोगल को पटका पहनाकर भाजपा परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में सिख समाज ने भाजपा पर जो भरोसा जताया है आज उसी का नतीजा है कि इतने वरिष्ठ नेता सहित सैकड़ों सिख समाज के गणमान्य पार्टी में शामिल हो रहे हैं। निःसंदेह इतने अनुभवी नेता के आने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। गुप्ता ने कहा कि 1984 में हुए सिख दंगों के पीढ़ित को न्याय दिलाने में जो संघर्ष सरदार कुलदीप सिंह भोगल ने किया,उसे पूरा हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। मोदी सरकार में सिख दंगे के दोषीयों को सजा दिलवाने का काम बहुत तेजी से हुआ है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को समाज विरोधी बताते हुए कहा कि सिख भाईयों की दुकान जलाने, लूटने और उनकी हत्या करने का जो षडयंत्र रचा गया था, उसका पर्दाफाश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। मोदी सरकार ने सिख समाज को लगातार सम्मान देने का काम किया है। उनकी धार्मिक भावनाओं को एक अलग पहचान और गौरव बढ़ाने का काम किया है। इस दौरान राष्ट्रीय प्रवक्ता सरदार आर पी सिंह ने कहा कि भाजपा में शामिल हुए सरदार कुलदीप सिंह भोगल ने जिस तरह से सिख दंगों में पीढ़ितों को न्याय दिलाने की लड़ाई निस्वार्थ भाव से लड़ी है, ऐसा बहुत कम होता है। सिखों के अंदर जो 1984 दंगे की छाप है, उसे भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के आने के बाद और अब भोगल के भाजपा में शामिल होने पर हम सब मिलकर 84 के दंगों के सभी दोषियों को सजा दिलाने का प्रयास करेंगे और सिखों के बीच भाजपा की छवि पहले से ज्यादा मजबूत होगी। कुलदीप सिंह भोगल ने कहा कि आज भाजपा में शामिल होकर ऐसा लग रहा है कि मैं अपने परिवार में वापस आ गया हूं। पिछले 36 सालों से 84 के दंगों को जिंदा रखने की प्रेरणा अगर मुझे मिली तो वह भाजपा के नेता स्व. अटल बिहारी बाजपेयी थे।

ग्रीन कॉरिडोर बनाकर 16 मिनट में अस्पताल पहुंचाया मानव अंग

■ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली स्थित आईजीआई एयरपोर्ट से मानव अंग को मैक्स अस्पताल साकेत लाया जाना था। दिल्ली पुलिस ने एक ग्रीन कॉरिडोर बनाकर 20 किलोमीटर की दूरी को महज 16 मिनट में तय करवाकर यह काम किया। अस्पताल के एक प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली में भारी ट्रैफिक के कारण मानव अंग को अस्पताल ले जाने के लिए एक ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। वहीं, दिल्ली पुलिस के एडिशनल सीपी एके सिंह ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली कि मानव अंग को टर्मिनल तीन एयरपोर्ट से एंबुलेंस के जरिए मैक्स साकेत अस्पताल पहुंचाना है। पीक आवर में पुलिस के सामने एक बड़ी चुनौती थी कि 20 किलोमीटर की दूरी को तय करने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। ट्रैफिक इंस्पेक्टर कुलदीप कुमार के साथ एसआई रामकिशन, कांस्टेबल मनोज और जिप्सी ड्राइवर सुरेंद्र ने ग्रीन कॉरिडोर बनाकर एंबुलेंस को समय पर पहुंचाया। उन्होंने बताया कि 10.30 पर फ्लाइट दिल्ली एयरपोर्ट पर आई। उसके बाद 10.40 पर मानव अंग को एंबुलेंस के जरिए 10.56 तक मैक्स साकेत अस्पताल पहुंचा दिया।

▶▶ पीक आवर में पुलिस के सामने थी बड़ी चुनौती

पूर्वी दिल्ली के महापौर ने नेत्रहीन बच्चों को गर्म कपड़े दिए

■ नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल ने गुरूवार को भारतीय नेत्रहीन विद्यालय, तेलीवाड़ा शाहदरा में पढ़ने वाले बच्चों को कंबल बांटे। इस मौके पर महापौर के साथ पूर्व महापौर एवं पार्षद निर्मल जैन, सामाजिक कार्यकर्ता, अर्चना कंसल भी मौजूद थीं। महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल ने लोगों से अपील किया की वे क्षमता के अनुसार जरूरतमंद लोगों को गर्म कपड़े और कंबल का वितरण कर अन्य लोगों को भी मानव सेवा के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि यह समाज के प्रति एक नैतिक दायित्व है जिसका परिपालन किया जाना आवश्यक है।

मेयर की डिबेट की चुनौती को आप ने स्वीकारा

■ नई दिल्ली

भाजपा मेयर की डिबेट की चुनौती को स्वीकार करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) के एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि डिबेट लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुझे खुशी है कि भाजपा ने आप को डिबेट की चुनौती दी। आप इसे स्वीकारती है। खुद मैं एमसीडी के हर मुद्दे पर डिबेट करने लिए तैयार हूं। दुर्गेश पाठक ने भाजपा मेयर से डिबेट के स्थान और समय की जानकारी मांगी और कहा कि आशा है कि अब आप इससे नहीं भागेंगे। पाठक ने कहा कि बुधवार को भाजपा मेयर ने आम आदमी पार्टी को डिबेट के लिए चुनौती दी है। उनका कहना है कि आप ने दिल्ली भाजपा पर जो भी आरोप लगाए हैं, वह सभी गलत हैं। इसलिए वह इसपर बहस की चुनौती दे रहे हैं कि आप पार्टी से कोई भी आकर डिबेट करे और इन सभी आरोपों को साबित करे। पाठक ने कहा कि मैं मेयर साहब से कहना चाहूंगा कि आम आदमी पार्टी इस बहस के लिए तैयार है। खुद मैं इस चुनौती को स्वीकार करता हूं। आप डिबेट के लिए समय और स्थान बताएं। मैं एमसीडी के हर मुद्दे पर आपसे डिबेट करने लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि हम इसपर डिबेट करेंगे कि भाजपा पिछले 15 सालों से एमसीडी की सत्ता पर काबिज है और कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं मिल रही है। हम डिबेट करेंगे कि इतने लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद दिल्ली में हर तरफ कूड़ा-कूड़ा है।

किस प्रकार से दिल्ली पूरे देश में सबसे गंदा राज्य है। खुद मोदी के स्वच्छता सर्वे में दिल्ली सबसे निचले स्थान पर रही है। हम आपसे चर्चा करेंगे कि जब भी कोई व्यक्ति दिल्ली में आता है तो उसका स्वागत कूड़े के तीन बड़े-बड़े पहाड़ करते हैं। हम आपके भ्रष्टाचार पर चर्चा करेंगे। आज एमसीडी में कंगाली के हालात हो गए हैं। इन सभी मुद्दों पर डिबेट करेंगे।

▶▶ 15 सालों में भाजपा ने एमसीडी और दिल्ली की कर दी दुर्दशा : पाठक

▶▶ पाठक ने कहा कि बुधवार को भाजपा मेयर ने आम आदमी पार्टी को डिबेट के लिए चुनौती दी है।

भारतीय जनता पार्टी ने कृष्णा नगर विधान सभा में लगाया कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी कृष्णा नगर विधान सभा का कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर गीता कॉलोनी के गोविंद बैंक्विट हॉल में किया गया।

जिसमे कार्यकर्ताओ को आने वाले नगर निगम चुनाव को मध्य नजर रखते हुए प्रशिक्षण दिया गया। जिसमे मुख्या वक्त के रूप में श्री महेंद्र ओझा जी, जिला अध्यक्ष श्री राम किशोर शर्मा जी ,जिला महामंत्री श्री यशवंत जी ने कार्यकर्ताओ को प्रशिक्षित किया।

कार्यक्रम में पूर्व कृष्णा नगर विधान सभा प्रत्याशी डॉ अनिल गोयल जी ने कार्यक्रम प्रमुख की जिम्मेदारी निभाई इस अवसर पर डॉ अनिल गोयल जी ने कहा कार्यकर्ताओ को घर घर दस्तक देनी है और जनता को बताना है की माननीय प्रधानमंत्री जी ने लोगो को मुफ्त वैक्सीन लगवाई है और हमारे पार्षदों के काम के बारे में जनता को बताना है। इस तरह के प्रशिक्षण से ही भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता निखर कर, संवर कर आगे आता है और जनता में सेवा ही संगठन की भावना के तहत और राष्ट्र निर्माण की भावना के तहत, समाज के निर्माण की भावना के तहत, मूल्य आधारित राजनीती पर चलने के तहत चलने की प्रेरणा लेता है और उस भावना के तहत जनता के बीच जाता है इसके अतिरिक्त क्षेत्र के वरिष्ठ नेता श्री महेंद्र आहूजा जी , पार्षद श्री संदीप कपूर जी, पार्षद श्री दीपक मल्होत्रा जी, पूर्व मेयर एवं निगम पार्षद श्रीमती नीमा भगत जी, श्रीमति इन्दु बाला जी (मंडल अध्यक्ष) श्री दिनेश वर्मा जी (मंडल अध्यक्ष), श्री सुरेंद्र किंद्रा जी (मंडल अध्यक्ष) श्री कुश बिंद्रा जी (मंडल अध्यक्ष) उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

ओमिक्रोन का प्रसार

दो साल से महामारी से जूझती दुनिया को कोरोना वायरस के डेल्टा वैरिएंट से राहत मिलती दिख रही थी कि अब ओमिक्रोन वैरिएंट के प्रसार से तीसरी लहर की आशंका बढ़ गयी है. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जानकारी दी है कि 89 देशों में इस वायरस का संक्रमण पाया गया है. जहां इसका सामुदायिक संक्रमण हो रहा है, वहां संक्रमितों की संख्या डेढ़ से तीन दिनों में दोगुनी हो रही है. यदि इसका फैलाव इसी गति से बरकरार रहा, तो ऐसे देशों में जल्द ही यह वायरस डेल्टा को पीछे छोड़ सकता है. वैश्विक चिंता बढ़ने की एक वजह यह भी है कि ओमिक्रोन उन देशों में भी फैल रहा है, जहां बहुत अधिक टीकाकरण हो चुका है या आबादी के बड़े हिस्से को खुराक मिल चुकी है. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 26 नवंबर को इसे चिंताजनक वायरस की संज्ञा दे दी थी.पहले ऐसा माना जा रहा था कि इस वायरस का असर पूर्ववर्ती रूपों की तुलना में मामूली होगा, पर शोधों से ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि यह अधिक आक्रामक हो सकता है. आगे इसका क्या स्वरूप होगा, यह भी कह पाना अभी मुश्किल है. एक ओर जहां भारत समेत कई देशों में ओमिक्रोन के मामले बढ़ रहे हैं, वहीं डेल्टा संक्रमण में भी बढ़ोतरी हो रही है. सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, बीते चौबीस घंटों में भारत में 6,563 नये मामले आये हैं और 132 मौतें हुई हैं.देश में ओमिक्रोन संक्रमण की संख्या कम-से-कम 171 हो चुकी है. पूरी दुनिया में रविवार को 4.47 लाख संक्रमण के नये मामले सामने आये हैं. अभी देश में 82 हजार से अधिक संक्रमित हैं. केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से संक्रमण की रोकथाम करने और अधिक संख्या में जांच करने के उपाय किये जा रहे हैं, लेकिन नागरिकों को भी कोरोना निर्देशों का समुचित पालन कर इस प्रयास में सहयोग देना चाहिए. साथ ही, टीकाकरण अभियान भी तेज किया जाना चाहिए.जो लोग टीका लेने में हिचक रहे हैं, उन्हें जागरूक करने की जरूरत है. विभिन्न देशों से जो प्रारंभिक रिपोर्ट आयी हैं, उनसे पता चलता है कि भले ही कुछ ऐसे लोग संक्रमित हुए हैं, जिन्होंने टीका ले लिया था, पर सभी टीके ओमिक्रोन संक्रमण को गंभीर बीमारी में बदलने से रोकने में सक्षम हैं. कई अफ्रीकी देशों के साथ ओमिक्रोन से यूरोप के अनेक देश, विशेषकर ब्रिटेन तथा अमेरिका भी प्रभावित हो रहे हैं। उड़ानों पर रोक तथा आंतरिक पाबंदियों के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी चिंताएं बढ़ती जा रही हैं. उल्लेखनीय है कि भारत समेत अधिकतर देशों की आर्थिक स्थिति में लगातार सुधार आ रहा है. लेकिन इस कारण वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर भी दबाव बढ़ा है क्योंकि मांग में तेजी आयी है. यदि ओमिक्रॉन अधिक आक्रामक रूप लेता है और लंबे समय तक पाबंदियों की दरकार रहती है, तब आर्थिकी पर भी नकारात्मक असर पड़ सकता है. इसलिए समझदारी और सतर्कता जरूरी है।

जलवायु परिवर्तन से शीतलहर

उत्तर भारत में पहाड़ों पर लगातार हो रही बर्फबारी और ठंडी हवाओं के चलने से शीत लहर का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है. चाहे जम्मू-कश्मीर हो, हिमाचल, उत्तराखंड, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश हो या फिर महाराष्ट्र हो, भीषण ठंड से लोग बेजार हैं. उत्तराखंड में प्राकृतिक जल स्रोत जमने लगे हैं.केदारनाथ और मुक्तेश्वर में नलों और तालाबों का पानी जमने लगा है. श्रीनगर में डल झील सहित दूसरे जल स्रोतों की दशा भी ऐसी ही है. राजस्थान के गंगानगर, चुरू, बीकानेर, अलवर, हनुमानगढ़, नागौर, जैसलमेर, पाली, जोधपुर, झुंझनू, सीकर, टोंक, जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ में येलो अलर्ट जारी कर दिया गया है. देश के कई हिस्सों में तापमान तीन और पांच सेंटीग्रेड से भी नीचे गिरने से जन-जीवन प्रभावित हुआ है. बीते दिनों जम्मू-कश्मीर में औसतन तापमान शून्य से 5.9 डिग्री नीचे गया, जबकि गुलमर्ग में शून्य से 10.4 डिग्री नीचे रहा, पहलगाम में 8.7 डिग्री, श्रीनगर में 6.2 डिग्री, बिहार के पटना में न्यूनतम 5.3 डिग्री पहुंचा, राजस्थान में शेखावाटी अंचल में शून्य से पांच डिग्री नीचे रहा, वहीं राज्य के 36 जगहों पर वह नौ डिग्री से भी नीचे रहा, उत्तर प्रदेश में तीन से नीचे, पंजाब-हरियाणा में 1.6 डिग्री नीचे, हिमाचल में 12.2 डिग्री नीचे रहा, वहीं मध्य प्रदेश के सागर और ग्वालियर सहित 14 जिले शीत लहर के भीषण प्रकोप से जूझ रहे हैं. इस बार देशवासियों को बीते बरसों की तुलना में भीषण ठंड का सामना करना पड़ रहा है. साल 1965 के दिसंबर माह में देश में शीतलहर का प्रकोप नौ दिन तक रहा था, लेकिन इस बार इसने 1965 का रिकॉर्ड तोड़ दिया है और इसके जनवरी के पहले पखवाड़े तक रहने का अनुमान है. देश की राजधानी दिल्ली ने तो बीते रविवार को 15 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. यहां पारा 4.6 डिग्री पर उतर गया, जो इस मौसम का सबसे सर्द दिन रहा है. इस स्थिति का अहम कारण जलवायु परिवर्तन के चलते प्रशांत महासागर में हुए मौसम के बदलाव की वजह से ला नीना का प्रभाव है. दरअसल, मौसम के चक्र में प्रशांत महासागर की भूमिका बेहद अहम है. ईएनएसओ (अल नीनो साउथ ओसिलेशन) प्रशांत महासागर की सतह पर पानी और हवा में असामान्य बदलाव लाता है. इसका असर पूरी दुनिया के वर्षा चक्र, तापमान और वायु संचरण प्रणाली पर पड़ता है. जहां ला नीना ईएनएसओ के ठंडे प्रभाव का परिचायक है, वहीं अल नीनो भीषण गर्मी के प्रभाव का प्रतीक है. देखा गया है कि दोनों ही प्रभाव प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में सामान्य तापमान में असमानता पैदा करते हैं. ला नीना में प्रशांत महासागर की गर्म पानी की सतह पर हवा पश्चिम की ओर बहती है, नतीजतन गर्म पानी में हलचल होने से ठंडा पानी सतह पर आ जाता है, इससे पूर्वी प्रशांत क्षेत्र सामान्य से काफी ठंडा हो जाता है. ला नीना के चलते सर्दियों में तेजी से हवा बहने पर भूमध्य रेखा और उसके आसपास का पानी सामान्य से ज्यादा ठंडा हो जाता है. इससे महासागर का तापमान समूची दुनिया के मौसम को प्रभावित कर देता है. इसके कारण कहीं भारी बारिश, कहीं बाढ़, तो कहीं सूखे की स्थिति पैदा होती है. हमारे देश में पहाड़ों पर भीषण बर्फबारी के चलते कड़ाके की जानलेवा ठंड इसी ला नीना का परिणाम है. मौसम विभाग और दुनिया के वैज्ञानिक भी इस तथ्य को प्रमाणित करते हैं. जहां तक भारत का सवाल है, मैरीलैंड यूनीवर्सिटी अमेरिका के जलवायु वैज्ञानिक रघु मूर्तगुडे की मानें, तो भारत में समूचे उत्तर, मध्य और दक्षिण भारत के पहाड़ी इलाकों में भीषण ठंड का प्रमुख कारण ला नीना ही है.भारत में ला नीना का असर सर्दी के मौसम में ही होता है. इसके चलते हवाएं उत्तर-पूर्व के हिस्सों की ओर से बहती हैं. इससे पैदा पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर व दक्षिण में निम्न दबाव बनता है,

नतीजतन देश में भारी बारिश और बर्फबारी होती है तथा शीतलहर के प्रकोप में वृद्धि होती है.इस बार शीतलहर के प्रकोप से आनेवाले 15-20 दिनों तक राहत मिलने के आसार नहीं हैं. नतीजतन शहरों में प्रदूषण का स्तर भी खतरनाक स्तर में बढ़ा रहेगा. ऐसे में अधिक सावधानी बरतने की जरूरत है. जरूरी होने पर ही, खासकर अधिक आयु के, लोग घर से बाहर निकलें, अन्यथा घर में ही रहें. कड़ाके की ठंड में लोग अलाव, गर्म कपड़े, टोपी और मफलर के भरोसे हैं. भीषण जानलेवा सर्दी से फसलों के बर्बाद होने की आशंका को नकारा नहीं जा सकता. इससे किसान काफी भयभीत हैं. पारा गिरने और पाला पड़ने से रबी की फसल तबाह हो सकती है, और सब्जियों को भी नुकसान पहुंच सकता है. पौधों की पत्तियां हरी होने की जगह हल्की भूरी पड़ने लग जायेंगी. टमाटर, गोभी, बैंगन और मिर्च की फसल पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ेगा. रोजमर्रा की जरूरतों, खासकर भोजन, पानी और बिजली जैसी सुविधाओं व स्वास्थ्य पर इसका असर पड़ेगा. कड़ाके की ठंड पड़ेगी, ऊर्जा की खपत बढ़ेगी, खर्च बढ़ेगा, धीमी आर्थिक प्रगति की दर और बढ़ती मंहगाई आम जनता की जेब पर भारी पड़ेगी. ऐसी हालत में दूसरे साधनों पर निर्भरता और बढेग्गी इससे खाद्यान्न तो प्रभावित होगा ही, अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़े बिना नहीं रहेगा. बाकी दुनिया की स्थिति भी कमोबेश यही रहेगी. ऐसी स्थिति में बचाव के लिए हमें सचेत रहना चाहिए

भाजपा की बी टीम क्यों बनना चाहती है, तृणमूल

राजेंद्र शर्मा

अचरज की बात नहीं है कि कोलकाता नगर निगम के एकदम हाल में हुए चुनाव में, बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने वही किया है, जो 2011 में राज्य में सत्ता में आने के बाद से आम तौर पर सभी चुनावों में और स्थानीय निकायों के चुनावों में और भी ज्यादा दीदादिलेरी से करती आई है। सूत्र रूप में कहें तो-चुनाव की या जनादेश की लूट! जाहिर है कि चूंकि विधानसभा तथा लोकसभा चुनावों के विपरीत, विभिन्न स्तरों पर स्थानीय निकायों के चुनाव, राज्य चुनाव आयोग द्वारा कराए जाते हैं, जिसे सारे नियम-कायदों को ताक पर रखकर तृणमूल कांग्रेस ने करीब-करीब प्रत्यक्ष रूप से अपने अंगूठे के नीचे कर रखा है, जनादेश की लूट ज्यादा दीदादिलेरी से होती है। फिर भी इस बार, कोलकाता नगर निगम के चुनावों की लूट में, तृणमूल कांग्रेस ने खुद अपना ही पिछला रिकार्ड भी तोड़ दिया गया लगता है। विपक्षी उम्मीदवारों के साथ मारपीट से लेकर, हिंसा के जरिए अधिकांश मतदान केंद्रों को विपक्षी चुनाव एजेंट-मुक्त कराने और मतदान केंद्रों पर कब्जे से लेकर मतदान केंद्रों को जाम करने तक के जरिए, जैनुइन मतदाताओं को वोट ही नहीं डालने देने तक, सब कुछ इतने बड़े पैमाने पर हुआ है कि शायद पहली बार ही विपक्ष को करीब-करीब पूरा का पूरा चुनाव ही निरस्त कर के, दोबारा चुनाव कराए जाने की मांग करनी पड़ी है। और यह मांग करने में शब्दशरू सारा विपक्ष शामिल हैकृकेंद्र में सत्ताधारी भाजपा से लेकर, कांग्रेस तथा वामपंथ तक, सारा का सारा विपक्ष। बेशक, स्थानीय निकायों के चुनावों में सत्ताधारी पार्टियों द्वारा गड़बड़ी किए जाने के आरोप कोई नये नहीं हैं। तीन-स्तरीय पंचायती राज प्रणाली के चुनावों के सत्ताधारी पार्टियों के पक्ष में प्रभावित किए जाने के आरोप तो और भी ज्यादा लगते रहे हैं क्योंकि शहरी निकायों में मीडिया की अपेक्षाकृत ज्यादा उपस्थिति के चलते, उनके चुनाव में वैसे खुली धांधली अपेक्षाकृत मुश्किल या सत्ताधारी पार्टी की छवि के लिए कुछ महंगी साबित होती है। यह दूसरी बात है कि तृणमूल कांग्रेस ने शुरू से ही, चूंकि उसका मुकाबला मुख्यतरू वामपंथ से था, जिसे हिंसा से दबाए जाने को सत्ताधारी वर्ग से जुड़ी पार्टियों से लेकर मीडिया तक से आसानी मूक अनुमोदन मिल सकता था, शहरी व ग्रामीण स्थानीय निकायों के चुनाव में धांधली को, सीधे चुनाव की लूट के मुकाम तक पहुंचा दिया था।इस लूट की ओर एक हद तक देश तथा मीडिया का ध्यान, पिछले आम चुनाव से पहले हुए पंचायती चुनाव के समय ही गया था, जब केंद्र में सत्ता समेत तमाम संसाधनों की अपनी अनुपातहीन बढ़त के सहारे, 2016 के विधानसभाई चुनाव के बाद के दौर में भाजपा, वामपंथ को पीछे धकेल कर प्रमुख विपक्षी ताकत नजर आने लगी थी और 2018 के तीन-स्तरीय पंचायत चुनावों की तृणमूल कांग्रेस की चुनाव की लूट की चोट भाजपा पर भी पड़ने के चलते, इसमें जनतंत्र पर चोट देखी जाने लगी थी। इसका भाजपा को काफी फायदा भी मिला और 2019 के आम चुनाव तक वह बंगाल में, वामपंथ को बहुत पीछे कर, सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के लिए मुख्य चुनौती की हैसियत हासिल कर चुकी थी। जाहिर है कि कम से कम वामपंथ से मुकाबले में, सत्ताधारी पार्टी द्वारा वोट की इस तरह की लूट में, तृणमूल कांग्रेस अकेली नहीं है। अपने बुनियादी वामपंथ-द्वेष और तानाशाही-प्रेम के चलते, त्रिपुरा में पहली बार सत्ता में आई भाजपा को, तृणमूल कांग्रेस से ये सारे गुर सीखने में रत्तीभर मुश्किल नहीं हुई। नतीजा यह कि शासकीय दमनकारी मशीनरी से लेकर, सत्ताधारी गुंडादलों तक की हिंसा व दमन के जरिए, विपक्ष का सामान्य काम-काज मुश्किल बनाने से लेकर, चुनावों की लूट तक, त्रिपुरा में सत्तासीन भाजपा वही सब करती आ रही है, जो बंगाल में तृणमूल कांग्रेस खासतौर पर वामपंथ तथा आम तौर पर पूरे विपक्ष के खिलाफ करती आ रही थी। अचरज नहीं कि नवंबर के आखिर में त्रिपुरा के शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव में, सत्ताधारी भाजपा ने अगरतला नगरनिगम की 100 फीसद सीटों के साथ, राज्य भर में करीब सारी सीटें जीत लीं और इस क्रम में बंगाल के बाद त्रिपुरा में पांव फैलाने की कोशिश कर रही तृणमूल कांग्रेस को, पहली बार हिंसा, दमन तथा चुनाव की लूट की वही कड़वी दवा पिलाई गई, जो वह बंगाल में दस साल से ज्यादा से विपक्ष को देती आ रही थी। महीने भर से कम में अब कोलकाता नगर निगम के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को, शेष विपक्ष के साथ-साथ भाजपा को भी वही दवा देने का मौका मिल गया है। यह हमें आज विपक्ष की एकता के यक्षप्रश्न पर ले आता है। प्रश्न संक्षेप में यह है कि क्या संघ-भाजपा के बढ़ते तानाशाहीपूर्ण-सांप्रदायिक राज का मुकाबला, तृणमूल कांग्रेस जैसी उन्हीं वर्गीय हितों से जुड़ी, तानाशाहीपूर्ण चरित्र की पार्टियों के साथ किया जा सकता है? वास्तव में इसी साल शुरू में हुए विधानसभाई चुनाव में, भाजपा की बंगाल में सत्ता पर काबिज होने की जबर्दस्त कोशिशों की भारी शिकस्त के बाद से, तृणमूल सुप्रीमो की अति-महत्वाकांक्षा ने इस सवाल को और भी सीमित कर दिया है। अब मुद्दा सिर्फयह नहीं रह गया है कि क्या, तृणमूल जैसी कार्पोरेट हितकारी तथा तानाशाही मिजाज की पार्टी भी, मौजूदा तानाशाहीपूर्ण-सांप्रदायिक कार्पोरेट राज को हटाने या हराने में, कोई योग दे सकती है? उसकी जगह पर अब सवाल यह हो गया है कि क्या तृणमूल जैसी किसी कार्पोरेट हितकारी और तानाशाही मिजाज की पार्टी पर, मौजूदा संघ-भाजपा निजाम का विकल्प खड़ा करने के लिए भरोसा किया जा सकता है, जिसमें ऐसे विकल्प में योग दे सकने वाली सभी संभव ताकतों को गोलबंद करने का नेतृत्व करना भी शामिल है। इसमें इतना और जोड़ लिया जाए कि ममता बैनर्जी की तृणमूल कांग्रेस एक से ज्यादा बार कांग्रेस के नेतृत्ववाली सरकारों में ही नहीं, भाजपा के नेतृत्ववाली सरकारों में शामिल रह चुकी है, जो उसके बहुसंख्यक सांप्रदायिकता के विरोध की विश्वसनीयता भी घटाता है। इसके बाद जाहिर है कि इस सवाल का जवाब तो एक निश्चित नहीं ही हो सकता है।बेशक, तृणमूल सुप्रीमो ममता बैनर्जी अगर प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा पालें तो इसमें अचरज की बात नहीं है। इस बार के विधानसभाई चुनाव में बंगाल में भाजपा की जैसी निर्णायक हार हुई है, उसके बाद उनकी यह महत्वाकांक्षा और बढ़ नहीं जाती, तो ही अचरज की बात होती। और प्रशांत किशोर जैसे राजनीतिक सलाहकार सह छवि-निर्माता के सहारे और इस दौर में जब भारत में चुनावों को ज्यादा से ज्यादा नेता छवियों के बीच चुनाव बनने की ओर धकेला जा रहा है, अगर ममता बैनर्जी को विकल्प के नेतृत्व का अपना दावा पुख्ता तथा दूसरों से प्रबल दिखाई दे तो, इसमें भी अचरज की बात नहीं होगी। लेकिन, तृणमूल कांग्रेस के हाल के कदमों से, जिनमें मेघालय तथा गोवा में कांग्रेस को दलबदल के जरिए मुख्य विपक्षी पार्टी की हैसियत से अपदस्थ करने का पैंतरा शामिल है, जिसको बाद में बिहार तथा हरियाणा से कांग्रेस के कुछ नेताओं से दलबदल कराने तक बढ़ाया गया है, यह साफहै कि तृणमूल कांग्रेस, विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी, कांग्रेस को धकेलकर विपक्ष का नेतृत्व अपने हाथ में लेने की कोशिश कर रही है। वास्तव में, संसद के शीतकालीन सत्र की पूर्व-संध्या में, ममता बैनर्जी के दिल्ली तथा मुंबई के दौरे के समय के सुश्री बैनर्जी तथा प्रशांत किशोर के बयान बता रहे थे कि वे न सिर्फकांग्रेस को देश के पैमाने पर विपक्ष के अगुआ की हैसियत से हटाने के लिए काम कर रहे हैं, इसकी उन्हें कुछ ज्यादा ही जल्दी भी है। लेकिन, उनकी यह जल्दबाजी, मोदी निजाम के खिलाफविपक्ष को एकजुट करने की कोशिशों में पलीता लगाने का ही काम कर रही है। लेकिन, समस्या सिर्फइतनी ही नहीं है दुर्भाग्य से यह जल्दबाजी इस खामख्याली पर टिकी हुई है कि विकल्प की खिचड़ी पकी-पकाई हैय बस उसके प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार का फैसला होना बाकी है। और इसमें सुश्री बैनर्जी आसानी से राहुल गांधी को हरा देंगी। लेकिन, ऐसा कतई नहीं है। जैसा कि किसानों के ऐतिहासिक सफल संघर्ष और उसके राजनीतिक माहौल पर पड़े प्रभाव ने दिखाया है, विकल्प की जगह धैर्य से और जनता के वास्तविक हितों के लिए संघर्षों से बनेगी, बनाई जानी है। ममता एंड कंपनी की इस तरह की जल्दबाजी तो विपक्ष के एकजुट प्रयासों को कमजोर कर के, विकल्प की इस जगह के बनने में ही खलल डालती है और इसलिए, वस्तुगत रूप से उल्टी ही पड़ सकती है यानी मोदी निजाम को अपेक्षाकृत सुरक्षित भी कर सकती है। संसद के शीतकालीन सत्र में तृणमूल कांग्रेस ने बार-बार संसद में विपक्ष के एकजुट प्रयत्नों से अलग जाकर, इस खेल से निकल सकने वाले नकारात्मक नतीजों की ओर ही इशारा किया है। अचरज नहीं कि ममता बैनर्जी की एनसीपी के शीर्ष नेता, शरद पवार से मुलाकात के बाद, राज्य की विकास अघाड़ी सरकार की नेता शिव सेना के और एनसीपी के भी, कांग्रेस को अलग कर के क्षेत्रीय पार्टियों के किसी गठबंधन का अनुमोदन न करने के स्पष्टठ्ठ रुख ने, ममता बैनर्जी के गुब्बारे की काफी हवा निकाल दी है। ऐसा लगता है कि कोलकाता नगर निगम के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की वोट की इस बार पिछले मौकों से भी ज्यादा खुली लूट का संबंध, ममता बैनर्जी की इसकी चिंता से भी है कि कैसे पश्चिम बंगाल पर अपने पूरे-पूरे नियंत्रण का प्रदर्शन करें, ताकि प्रधानमंत्री पद के लिए उनके दावे का वजन बढ़ सके। लेकिन, जनता के विश्वास की जगह, सत्ता को जीतने पर भरोसा करने की ठीक यही गलती तो तानाशाही मिजाज की पार्टियां अक्सर करती हैं और यही गलती है जो अंततरू जनता के संघ-भाजपा के मौजूदा मोदी निजाम के हटाने का रास्ता बनाएगी। तृणमूल इस विकल्प का नेतृत्व तो अर्जित नहीं ही कर सकती है, जबरन नेतृत्व पर कब्जा करने की कोशिश में, इस विकल्प की राह कुछ मुश्किल ही कर सकती है। अब यह तो तृणमूल कांग्रेस को ही तय करना है कि वह किस की राह आसान करना चाहती है और किस की मुश्किल। फिलहाल तो वह विपक्ष की राह मुश्किल बनाकर, मोदी निजाम की ही राह कुछ न कुछ आसान करती नजर आ रही है। तृणमूल को भाजपा की बी टीम बनने से बचना चाहिए।

स्वर्ण मंदिर परिसर में लिंचिंग

उपेन्द्र प्रसाद

पंजाब से बहुत ही दर्दनाक घटनाओं की खबरें आ रही हैं। एक घटना अमृतसर की है, तो दूसरी कपूरथला की। अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। वह व्यक्ति कौन था, इसका भी पता नहीं। सिर्फयह कहा जा रहा है कि वह उत्तर प्रदेश का था। लेकिन यह जानकारी भी पुष्ट नहीं है। उस पर आरोप है कि वह गुरु ग्रंथ साहब की बेअदबी करना चाह रहा था। घटना से पहले वह पाठ सुन रहा था। उस पर आरोप है कि एकाएक वह उठा और रेलिंग पार कर उस ओर पहुंच गया, जहां सिर्फ पाठ करने वाले ग्रंथी ही जाते हैं। जिस वर्जित इलाके में वह अनधिकृत तौर पर गया, वहां गुरु ग्रंथ साहिब रखा होता है। वहीं एक सुनहरी तलवार भी है। एक वर्सन के अनुसार, वह तलवार उठाने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया और दूसरे वर्सन के अनुसार वह तलवार उठा चुका था और गुरु ग्रंथ साहब के साथ बेअदबी करने वाला था। इन दोनों वर्सनों में जो भी सही हो, उसकी हत्या अत्यंत ही निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। उसने जो किया, वह तो गलत था ही, क्योंकि उसे लोगों की धार्मिक आस्था को चोट नहीं पहुंचानी चाहिए थी और उसे वैसा कुछ नहीं करना चाहिए था, जो सिख धर्म के खिलाफहो। लेकिन उसके साथ जो हुआ वह तो और भी गलत था। उसकी हत्या किए जाने को कोई भी वाजिब नहीं ठहरा सकता। सिख धर्म प्रेम का धर्म है। इसके संस्थापक गुरु नानक देव जी प्रेम की पुजारी थे, और गुरुद्वारों में प्रेम का पाठ ही किया जाता है। इस पृष्ठभूमि में किसी बेअदबी करने वाले के साथ इस तरह का व्यवहार प्रेम और भक्ति के सिद्धांतों के खिलाफ है। और यह भी स्पष्ट नहीं है कि वह वास्तव में बेअदबी करना चाहता था या मानसिक रूप से वह विक्षिप्त था और उसे पता ही नहीं था कि वह सही कर रहा था या गलत। यदि वह किसी ऐसे गिरोह का सदस्य था, जो सिखों की धार्मिक आस्थाओं पर चोट कर रहा हो, तब भी उसकी हत्या बिल्कुल गलत थी। पहली बात तो यह है कि हमारे देश का संविधान और कानून किसी हत्या की इजाजत किसी को नहीं देते। दूसरी बात यह है कि यदि वास्तव में वह किसी सिखविरोधी गिरोह का सदस्य था, तो उस गिरोह के बारे में पता उसे जिंदा रखकर ही लगाया जा सकता है। अब पंजाब की सरकार ने एक स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम को गठन किया गया है, जो पता करेगा कि उस बेअदबी के पीछे कौन था। जब वह व्यक्ति जिंदा ही नहीं रहा, तो फिर टीम को पता कैसे चलेगा कि उसके पीछे कोई गिरोह भी था या वह व्यक्ति दिमागी रूप से कमजोर होने के कारण वह काम कर रहा था। वह व्यक्ति भीड़ की हिंसा का शिकार हुआ। उसके साथ गलत हुआ, लेकिन पंजाब की सरकार और पुलिस ने जो किया, वह तो भीड़ की हिंसा से भी ज्यादा आपत्तिजनक है। भीड़ तो अपना आपा खो चुकी थी, लेकिन पंजाब सरकार और पुलिस ने तो आपा नहीं खोया था। उसने मारे गए व्यक्ति के ऊपर ही मुकदमा कर दिया। इससे ज्यादा ऊटपटांग बात और क्या हो सकती है? जो व्यक्ति जिंदा ही नहीं है और जिसकी पहचान भी स्थापित नहीं है, उस पर आप मुकदमा करेंगे और जो जिंदा ही नहीं है, उसे कौन सी सजा दी जाएगी? आखिर यह बेतुकापन क्यों? क्या इसलिए कि पंजाब में चुनाव होने जा रहे हैं और चन्नी की सरकार दिखाना चाहती है कि वे सिखों की भावनाओं को लेकर बहुत ही सजग और चिंतित है। पंजाब सरकार ही नहीं, पंजाब के विपक्ष की भूमिका भी सही नहीं है। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल हो या शिरोमणि अकाली दल के शीर्ष नेता प्रकाश सिंह बादल- सभी एक स्वर में बोल रहे हैं। कोई भीड़ द्वारा की गई हत्या की निंदा नहीं कर रहा है। सभी बेअदबी को लेकर चिंतित हैं। बेअदबी को लेकर चिंतित हों, यह अच्छी बात है, लेकिन स्वर्ण मंदिर परिसर में कानून की भी तो बेअदबी हुई है। कानून तोड़ने वालों के खिलाफकार्रवाई क्यों नहीं होनी चाहिए? अमृतसर के स्वर्ण मंदिर परिसर की उस घटना के बाद कपूरथला के एक गुरुदारे में भी एक व्यक्ति भीड़ की हिंसा का शिकार हुआ और मारा गया। उसके बारे में भी कुछ पता नहीं चला है। सिर्फयह बताया जा रहा है कि वह दिल्ली का था। उसने यह बात पकड़े जाने के बाद खुद बताई थी। उसके बारे में गौर करने की बात यह है कि वह गुरुद्वारे के अंदर से नहीं बल्कि उसके बाहर से पकड़ा गया था। गुरुद्वारे के लोगों के अनुसार कोई व्यक्ति सुबह गुरुद्वारे में घुसा था। उसका इरादा बेअदबी या चोरी का रहा होगा। फिर गुरुद्वारे के लोगों ने हल्ला कर बाहर के लोगों का भी बुलाया और वह उस व्यक्ति को ढूंढ़ने लगे, जो गुरुद्वारे के अंदर घुसा था। अंदर तो कोई नहीं मिला, बाहर से किसी को पकड़ लिया और मान लिया कि वह अंदर घुसा था। उसके बाद उसकी पिटाई की और विडियो बनाया। विडियो देखकर और लोग भी आए। पुलिस भी आई। पुलिस ने उस व्यक्ति को बचाने की कोशिश की, लेकिन भीड़ ने उसे बचाने का मौका ही नहीं दिया। जब उस व्यक्ति की मौत हो गई, तभी पुलिस उसे अपने कब्जे में कर सकी और अस्पताल ले गई, जहां उसे पहले से ही मृत घोषित कर दिया। ये दोनों घटनाएं पागलपन के दौर की कहानी कहती हैं। दूसरी घटना तो कुछ ज्यादा ही भयावह है। धार्मिक स्थलों पर दूरदराज के लोग पहुंचते हैं। गुरुद्वारों में बाहर के लोगों को भोजन दिया जाता है और पानी भी पीने के लिए लोग वहां जाते हैं। ज्यादातर धार्मिक लोग ही वहां जाते हैं और उनमें कुछ मानसिक रूप से कमजोर भी हो सकते हैं और ऐसी हरकतें भी कर सकते हैं जो धार्मिक दृष्टि से बहुत ही अनुचित हो, लेकिन तब क्या उस व्यक्ति को भीड़ के न्याय का शिकार होने के लिए छोड़ दिया जाना चाहिए? यदि ऐसा हो रहा है, तो हम कह सकते हैं कि हमारा देश पागलपन के दौर में प्रवेश कर रहा है।

भीड़ को नहीं दी जा सकती किसी भी अपराध के आरोपित को सजा देने की अनुमति

राजीव सचान

भीड़ की हिंसा का यह पहला मामला नहीं। देश भर में ऐसी घटनाएं रह-रह कर होती ही रहती हैं। कभी-कभी ऐसी घटनाओं के मूल में धार्मिक भावनाओं को आहत करना भी होता है। कभी कोई चोर भीड़ के हत्थे चढ़ जाता है तो वह भी मार दिया जाता है। पंजाब में श्री गुरुग्रंथ साहिब और सिख धर्म के अन्य प्रतीकों से बेअदबी एक बेहद संवेदनशील मामला है। इस तरह की घटनाएं सिख समाज को केवल उद्वेलित ही नहीं करतीं, बल्कि उनमें असुरक्षा की भावना भी जगाती हैं। इसी कारण ऐसी घटनाएं बड़ा मुद्दा बनती हैं। 2017 के विधानसभा चुनावों में बेअदबी के मामलों ने इतना तूल पकड़ा कि शिरोमणि अकाली दल को बुरी पराजय का सामना करना पड़ा। इस बार भी अमृतसर और कपूरथला के बेअदबी के मामले मुद्दा बन जाएं तो हैरानी नहीं, क्योंकि ये घटनाएं ऐसे समय सामने आई हैं, जब पंजाब चुनाव के मुहाने पर खड़ा है। ऐसे वक्त बेअदबी की घटनाएं किसी साजिश की ओर संकेत करती हैं। जितनी जरूरत इस साजिश की तह तक जाने की है, उतनी ही इस तरह की घटनाओं को रोकने की भी। यह काम इसलिए प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए, क्योंकि पंजाब के सांप्रदायिक माहौल को खतरा पहुंचने का अंदेशा है। इस अंदेशे को हर हाल में दूर किया जाना चाहिए। इसी के साथ यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि बेअदबी के आरोपित उस तरह भीड़ के हाथों पीट-पीट कर न मारे जाएं, जैसे अमृतसर और कपूरथला में मार दिए गए। फिलहाल यह कहना कठिन है कि अमृतसर और कपूरथला में जिन लोगों ने बेअदबी के आरोपितों की पीट-पीटकर हत्या कर दी, उनकी गिरफ्तारी हो सकेगी। इसका एक कारण तो पुलिस का रवैया है और दूसरा, पंजाब में किसी दल की ओर से पीट-पीट कर हत्या के खिलाफ आवाज न उठाना है। उलटे कुछ लोगों की ओर से यह कहा जा रहा है जो किया गया, वही सही था। पंजाब में कुछ इसी तरह का माहौल तब भी था, जब कृषि कानून विरोधी आंदोलन के दौरान दिल्ली-हरियाणा सीमा पर बेअदबी के आरोप में लखबीर सिंह को बेरहमी के साथ मार डाला गया था। उसके हत्यारों की तो गिरफ्तारी हो गई थी, लेकिन यह प्रश्न अनुत्तरित है कि क्या अमृतसर और कपूरथला में बेअदबी के आरोपितों को पीट-पीट कर मारने वाले भी गिरफ्तार होंगे? यदि किसी कारण ऐसा नहीं होता तो कानून के शासन की भी बेअदबी होगी और भीड़ की हिंसा भी बेलगाम होगी। भीड़ की हिंसा का यह पहला मामला नहीं। देश भर में ऐसी घटनाएं रह-रह कर होती ही रहती हैं। कभी-कभी ऐसी घटनाओं के मूल में धार्मिक भावनाओं को आहत करना भी होता है। कभी कोई चोर भीड़ के हत्थे चढ़ जाता है तो वह भी मार दिया जाता है। कपूरथला में मारे गए व्यक्ति के बारे में यह कहा जा रहा है कि वह रोटियां चुराने की कोशिश कर रहा था। पता नहीं सच क्या है, लेकिन चोरी के संदेह में कई निदरेष भीड़ की हिंसा के शिकार हो चुके हैं। बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश आदि राज्यों में कई लोग बच्चा चोरी करने के संदेह में मारे जा चुके हैं। कभी-कभी भीड़ की हिंसा के मामले बहुत तूल पकड़ते हैं और वे राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सुर्खियां बनते हैं। यह बहुत कुछ घटना की प्रकृति पर निर्भर करता है और इस पर भी कि भीड़ के हाथों मरने वाला कौन है? अगर ऐसा कोई अभागा अल्पसंख्यक समुदाय का होता है तो भीड़ के हाथों उसकी मौत को राष्ट्रीय मुद्दा बना दिया जाता है। उसकी हत्या को देश में बढ़ती असहिष्णुता के तौर पर देखा जाता है और हिंदुस्तान को लिंचिस्तान वगैरह करार दिया जाता है। दादरी में गोहत्या के आरोपित अखलाक की हत्या के बाद ऐसा ही किया गया था। इसी तरह राजस्थान के पहलू खान और हरियाणा के जुनैद के मामले में भी यही काम किया गया। झारखंड में चोरी के आरोप में पकड़े और फिर पीट-पीट कर मार दिए गए तबरेज अंसारी को भी कोई भूल नहीं सकता, लेकिन आखिर कौन जानता है मूदबिदरी (कर्नाटक) के प्रशांत पुजारी को, मथुरा के भरत यादव को, बाड़मेर के खेताराम भील को, पूर्णिया के दिनेश राय को, हाथरस के अमित गौतम को या फिर दिल्ली के राहुल को। इनमें से कुछ दलित थे, फिर भी कहीं कोई रोष-आक्रोश देखने को नहीं मिला। ऐसा क्यों होता है, इसका ठीक-ठीक आकलन करना कठिन है, लेकिन इसमें दोराय नहीं कि भीड़ की हिंसा के कुछ मामलों में एक एजेंडे के तहत आसमान सिर पर उठा लिया जाता है और ऐसे ही दूसरे मामलों में मौन साध लिया जाता है। इस सिलसिले को रोकना मुश्किल है, क्योंकि कुछ एजेंडाधारी हमेशा यह देखकर ही प्रतिक्रिया व्यक्तकरते हैं कि मरने वाला कौन है और उसने किसके हाथों जान गंवाई? इनका कुछ नहीं किया जा सकता, लेकिन कानून के शासन की रक्षा के लिए यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि चाहे जैसी हिंसा हो और उसे चाहे जिसने अंजाम दिया हो, उसके खिलाफकानूनसम्मत सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। भीड़ को कानून हाथ में लेने और किसी भी अपराध के आरोपित को सजा देने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

यदि ऐसा नहीं होता तो कानून का राज जंगलराज में तब्दील होता दिखेगा और यह सभ्य समाज के लिए एक बड़ा खतरा होगा। चूंकि भीड़ की हिंसा के कुछ मामलों में अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं होती और पुलिस भी अपना काम सही तरह करती नहीं दिखती, इसलिए उच्चतर न्यायपालिका को ऐसे मामलों का स्वतरू संज्ञान लेना चाहिए। अपने देश में धार्मिक भावनाओं को आहत करने वालों के खिलाफकानून है और इस अपराध में शामिल लोगों को तीन साल तक सजा भी हो सकती है, लेकिन इधर कुछ धार्मिक संगठन ईशनिंदा के आरोपितों को उम्रकैद और कुछ मौत की सजा देने वाला कानून बनाने की मांग कर रहे हैं। ऐसा कोई कानून तो हिंदुस्तान को पाकिस्तान के रास्ते पर ही ले जाएगा।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

हाजी कमाल को हुआ बसपा का टिकट,इमरान अख़्तर भी थे प्रबल दावेदार

संवाददाता

स्योहारा। सूबे के विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है ऐसे में सभी पार्टी अपना प्रत्याशी मैदान में उतार रही हैं,इसी कड़ी में धामपुर विधानसभा सीट पर सबसे पहले

बसपा ने अपने पत्ते खोलते हुए शेरकोट निवासी हाजी कमाल को अपना प्रत्याशी घोषित किया है लेकिन इसी सीट पर बसपा से स्योहारा चेयरमैन पुत्र इमरान उर्फ सनी अख़ूतर भी टिकट के प्रबल और मज़बूत दावेदार थे लेकिन वो इस फेहरिस्त से बाहर निकल गए,लेकिन पार्टी इमरान अख़्तर को चुनती और उनको अपना प्रत्याशी बनाती तो एक बड़ा और मज़बूत तबका बसपा को उनकी वजह से मिल जाता और काफी हद तक आशंकाएं बसपा को जीत की ओर ले जा सकती थीं,क्योंकि एक तो उच्च शिक्षित इमरान अख़्तर का अपना युवा वोट बैंक ऊपर से उनके पिता का जनप्रतिनिधि होना साथ ही क्षेत्र में उनकी अपनी बिरादरी व अन्य कई ऐसे महत्वपूर्ण बिंदु थे जो बसपा और इमरान अख़ूतर को जीत का सेहरा पहना देते खेर अब पार्टी के फैसले का सम्मान करते हुए इमरान अख़ूतर चुनावी मैदान से हट गए हैं और अब चुनाव में किसके साथ खड़े होंगे और किसकी मदद करेंगे इस बात पर चुप्पी साधे हुए हैं।

जायसवाल ने अपने कक्ष में कोविड-19 से प्रभावित परिवारों के परिजनों की समस्याओं का अनुश्रवण किया

संवाददाता

बिजनौर। अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) कोविड-19 प्रभारी प्रीति जायसवाल ने अपने कक्ष में कोविड-19 से प्रभावित परिवारों के परिजनों की समस्याओं का अनुश्रवण करते हुए बताया कि जनपद में चल रहे सुशासन सप्ताह के अंतर्गत शासन के निर्देशों के अनुपालन में सहानुभूति एवं मानवता के उच्च आदर्शों के दृष्टिगत कोविड-19 से प्रभावित परिवार जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है उनकी समस्याओं को अनुश्रवण किया गया। इसके निस्तारण के निर्देश संबंधित विभागों को दे दिए गए हैं

तथा निस्तारण प्राथमिकता स्तर से हो इसके लिए विशेष ध्यान आकर्षित करने के लिए पिंक कलर के पत्र का इस्तेमाल किया गया है। यह पत्र संबंधित विभागों को भेजा जा रहा है।

इसके अतिरिक्त शीत लहर से बचाव के लिए संबंधित परिवारों के परिजनों को प्राथमिकता स्तर पर कंबल का वितरण किया गया

एवं कोविड-19 की तीसरी लहर के दृष्टिगत इससे बचाव के लिए जानकारी दी गई तथा कोविड-19 उपयुक्त व्यवहार जैसे मास्क लगाना सामाजिक दूरी का पालन करना की सलाह दी गई।

इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय यादव, कोविड-19 से प्रभावित परिवारों के परिजन एवं अन्य संबंधित विभागों के कर्मचारी तथा अधिकारी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी उमेश मिश्रा द्वारा स्ट्रांग रूम, मतगणना स्थल तथा निर्वाचन कर्मियो के ट्रेनिंग स्थल का निरीक्षण किया

संवाददाता

बिजनौर। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा द्वारा आगामी विधान सभा सामान्य निर्वाचन- 2022 को शांति सुव्यवस्थित एंव स्वतन्त्र रूप से सम्पन्न कराने के लिए स्ट्रांग रूम, मतगणना स्थल तथा निर्वाचन कर्मियो के ट्रेनिंग स्थल का निरीक्षण किया।

उन्होने सेन्ट्रल वेयरहाऊस का निरीक्षण करते हुए बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशो के अनुपालन मे सेन्ट्रल वेयरहाऊस बिजनौर के स्ट्रांग रूम तथा मतगणना स्थल पर सभी मूलभूत सुविधाएं तथा सुरक्षा व्यवस्था आदि उपलब्ध हो जिससे आगामी विधान सामन्य निर्वाचन-

2022 को शांति सुव्यवस्थित एंव स्वतन्त्र रूप से सम्पन्न कराया जा सके। इसलिए पूर्व मे ही सभी आवश्यक तैयारियो का निरीक्षण किया जा रहा है ताकि निर्वाचन के समय किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाये एंव सभी तैयारिया मानक के अनुसार अद्यतन हो सके।

इसके उपरान्त उन्होने निर्वाचन कार्मिको के प्रशिक्षण स्थल विवेक डिग्री कॉलेज बिजनौर का भी निरीक्षण किया तथा उन्होने निर्वाचन कार्मिको को प्रशिक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी आवश्यक सुविधाए प्रशिक्षण कर्मियो को सुनिश्चित हो सके इसके लिए संबंधित अधिकारियो को निर्देश दिये।

भाजपा का जन विश्वास यात्रा का मेजा मांडा कोरांव मे हुआ जोरदार स्वागत

संवाददाता

मांडा प्रयागराज। भाजपा जन विश्वास रथ यात्रा शुक्रवार को मांडा

माफियाओं पर कार्यवाही का जिक्र किया।

साथ में कैबिनेट मंत्री धर्मवीर प्रजापति, राज्य मंत्री, रमाशंकर

कोरांव मेजा रास्ते में भाजपा कार्यकर्ताओं ने
गर्मजोशी के साथ अपने नेताओं का जोरदार स्वागत किया।
रथ यात्रा पर चल रहे केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय ने अपने संबोधन में
सरकार के अपराधियों और

पटेल,
सांसद, रीता जोशी, सांसद, विनोद सोनकर और मेजा विधायक नीलम करवरिया आदि थे। यात्रा का स्वागत भाजपा कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ ढोलक बजाते हुए फूल वर्षा से किए। जिसमें सभी भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारीयों ने चकबंदी विभाग के भष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन किया

संवाददाता

बिजनौर। भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारीयों ने चकबंदी विभाग के चकबंदी विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार से आक्रोशित होकर जोरदार नारेबाज़ी की और भ्रष्टाचार के खिलाफ़ 24 दिसंबर से बंदोबस्त अधिकारी कार्यालय पर धरना

भष्टाचार के खिलाफ बंदोबस्त अधिकारी के दफ़्तर के बाहर नारेबाज़ी करते हुए प्रदर्शन किया और 24 दिसंबर से चकबंदी बंदोवस्त कार्यालय पर अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन करने की घोषणा की।

बृहस्पतिवार को भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारीयों ने चकबंदी बंदोबस्त अधिकारी के ऑफिस पर जाकर प्रदर्शन करने का नोटिस चकबंदी अधिकारी कल्याण प्रताप सिंह को सौपा।

ज्ञापन सौंपने वालों में भाकियू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धर्मवीर सिंह धनकड़, प्रदेश महासचिव रामौतार सिंह, प्रांतीय नेता बाबूराम तोमर, युवा जिला अध्यक्ष सरदार वरिंदर सिंह बांठ, जय सिंह, सरदार संदीप सिंह भुल्लर, कल्याण सिंह,नीरज कुमार आदि रहे।

मौहम्मद रफी फेंस क्लब की ओर से केक काटकर मौहम्मद रफी के जन्मदिन पर कान्हा पैलेस में गीतो भरी शाम का आयोजन किया गया

गायक कलाकारो ने केंद्र सरकार से इन मौहम्मद रफी को भारत रत्न पुरस्कार देने की मांग की

संवाददाता

नजीबाबाद। सुर सम्राट पद्म श्री मौहम्मद रफी साहब के 97वें जन्मदिन पर मौहम्मद रफी फेंस क्लब की ओर केक काटकर कान्हा पैलेस में एक खूबसूरत गीतो भरी शाम का आयोजन किया गया। जिस में नगर के मशहूर सिंगर ने रफी साहब के सदाबहार नगमे अपनी आवाज़ में पेश कर समा बांध दिया।

कान्हा पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में शादाब ज़फ़र ने .....तुझ को पुकारे मेरा प्यार, अजय वर्मा ने .... तेरी गलियो में ना रखेगे कदम, इल्यास अहमद ने .... दिल जो ना कह सका, संजीव गोयल ने... तू इस तरह से मेरी जिन्दगी में शामिल हैं, अनवर हुसैन ने... याद ना जाये बीते दिनों की, शहज़ाद अहमद ने ......तेरी आंखों के सिवा दुनियां में रखा क्या है गीत गाकर मौहम्मद रफी साहब को खिराज़ ए अकीदत पेश की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आकाश कान्हा कर्णवाल ने कहा कि मौहम्मद रफी साहब ने अपनी गायकी से पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन किया। उन के जैसा कलाकार सदी में कभी कभार पैदा होता है। मौहम्मद रफी फेंस क्लब के संरक्षक शाहिद बशीर ने मौहम्मद रफी को श्रृद्वांजलि पेश करते हुए उन्हें महान गायक बताते हुए बडे दिलवाला इन्सान बताया।

क्लब के अध्यक्ष डा राजीव अरोड़ा ने रफी साहब के97वे जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में आये तमाम रफी फेंस का स्वागत करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शाहिद बशीर व संचालन डाक्टर राजीव अरोड़ा ने किया। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ पत्रकार नेता राजीव गुप्ता टाटा आयरन वाले भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मौहम्मद रफी फेंस फेंस क्लब की ओर से केक काट काटा गया। कार्यक्रम में मौजूद कान्हा आकाश कर्णवाल, डाक्टर राजीव अरोड़ा, शाहिद बशीर, शादाब ज़फ़र, अल्ताफ रज़ा, अजय वर्मा, इल्यास अहमद, संजीव गोयल, अनवर हुसैन, शहज़ाद अहमद, शेख शादाब, मौहम्मद आसिम साबिर आदि समाजसेवियो व गायक कलाकारो ने केंद्र सरकार से रफी साहब को भारत रत्न देने की मांग की।

प्रोफेसर राजेंद्र सिंह विश्वविद्यालय, प्रयागराज के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के 10 स्वयंसेवकों का दल राष्ट्रीय एकीकरण शिविर भुवनेश्वर, उड़ीसा से वापस

संवाददाता

प्रयागराज। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय,प्रयागराज राष्ट्रीय सेवा योजना से डॉ सच्चिदानंद त्रिपाठी जिला नोडल अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना, प्रयागराज एवं कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना लाला लक्ष्मी नारायण डिग्री कॉलेज सिरसा, प्रयागराज के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के टीम लीडर के नेतृत्व में 10 स्वयंसेवकों का दल दिनांक 15 दिसंबर 2021 से 21 दिसंबर 2021 तक शिक्षा %ओ% अनुसंधान विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में प्रतिभाग करके वापस लौटा। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय क्षेत्रीय निदेशालय, लखनऊ द्वारा राष्ट्रीय एकीकरण शिविर के लिए उत्तर प्रदेश के 10 स्वयंसेवकों के दल की ग्रुप लीडर सूर्या सिंह परिहार प्रोफेसर राजेंद्र सिंह विश्वविद्यालय,प्रयागराज ; रूप शंकर पांडेय लाला लक्ष्मी नारायण डिग्री कॉलेज सिरसा,प्रयागराज;अर्चिता त्रिपाठी एवं गरिमा मालवीय जगत तरान गर्ल्स

कॉलेज,प्रयागराज ; रश्मि द्विवेदी बी आर सिंह कॉलेज नैनी,प्रयागराज; अन्नपूर्णा मल, निधि राजभर, राहुल राज अर्जुन, गोपाल कृष्ण दमोर एवं आदर्श दुबे काशी हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी का चयन किया गया था। सभी चयनित प्रतिभागियों ने इस सात दिवसीय शिविर में प्रतिभाग किया। जिसमें सभी चयनित स्वयंसेवक ने उत्तर प्रदेश की तरफ से भारत के राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए वाले उत्तर प्रदेश के विभिन्न सांस्कृतिक कौशलों का प्रदर्शन सूर्या सिंह परिहार ग्रुप लीडर के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन किया। इस राष्ट्रीय एकता शिविर में उत्तर प्रदेश से 15 दिसंबर 2021 से 21 दिसंबर 2021 तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया जिसमें कजरी गीत,उत्तर प्रदेश का राज्य गीत, रंगोली,पेंटिग प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। कजरी गीत में सूर्या सिंह के नेतृत्व में अर्चिता त्रिपाठी,गरिमा मालवीय,रश्मि,निधि राजभर ने बहुत सुंदर प्रस्तुति दी। इसमें पूरे भारत के 20 राज्यों से एनएसएस के 210 वॉलंटियर ने भाग लिया। माननीय प्रोफेसर अखिलेश कुमार सिंह कुलपति प्रोफेसर राजेंद्र सिंह विश्वविद्यालय,प्रयागराज ने कहा कि यह विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के लिए बहुत गौरवपूर्ण उपलब्धि है। श्री एस के शुक्ला कुलसचिव एवं कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैय्या विश्वविद्यालय,प्रयागराज ने विश्विद्यालय की तरफ से टीम भेजने के लिए भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय लखनऊ के क्षेत्रीय निदेशक डॉ अशोक कुमार श्रोती एवं राज्य संपर्क अधिकारी डॉ अंशुमाली शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ साथ डॉ उपेंद्र कुमार सिंह पूर्व कार्यक्रम समन्वयक एनएसएस पीआरएसयू, प्रयागराज एवं लाला लक्ष्मी नारायण डिग्री कॉलेज सिरसा,प्रयागराज के प्राचार्य डॉ एस पी विश्वकर्मा ने डॉ अशोक कुमार श्रोती एवं डॉ अंशुमाली शर्मा के प्रति राष्ट्रीय एकता शिविर का नेतृत्व डॉ सच्चिदानंद त्रिपाठी को उत्तर प्रदेश से टीम लीडर नामित करने के लिए आभार प्रकट किया। डॉ सच्चिदानंद त्रिपाठी ने श्रीमती सरिता पटेल रीजनल डायरेक्टर भुवनेश्वर, उड़ीसा एवं प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर शिक्षा ओ अनुसंधान विश्वविद्यालय, भुनेश्वर प्रोफेसर नचिकेता शर्मा को सफल आयोजन करने के लिए बधाई दी।

समाजवादीद्बपार्टी के विधायक एवं प्रत्याशी हाजी तसलीम अहमद को विधानसभा क्षेत्र नजीबाबाद में अपार जनसमर्थन मिल रहा है

संवाददाता

नजीबाबादविधानसभा क्षेत्र के हर गांव से समाजवादी पार्टी के हक में आवाज निकल रही है हर जाति, धर्म, वर्ग का व्यक्ति समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव जी को प्रदेश का मुख्यमंत्री देखना चाहता है। बीती रात्रि समाजवादी पार्टी के विधायक एवं प्रत्याशी हाजी तसलीम अहमद का ग्राम मौजमपुर तुलसी उर्फ गढ़ी में फूल मालाओं से स्वागत किया गया। इस मौके पर आयोजित स्वागत समारोह में भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। राईन बिरादरी के सदर अब्दुल वाहिद की अध्यक्षता एवं नगर अध्यक्ष शाहिद मलिक के संचालन में आयोजित स्वागत समारोह में मुख्य अतिथि हाजी तसलीम अहमद ने समाजवादी पार्टी की आगामी नीतियों के बारे में जनता को बताया। उन्होंने कहा कि जनता भाजपा से इतना तंग आ चुकी है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का सूपड़ा साफ करने को तैयार है। पूरे प्रदेश में समाजवादी पार्टी की लहर चल रही है। आने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के दूसरी बार

मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। सभी ग्रामीणों ने एकजुट होकर समाजवादी पार्टी को अपना पूर्ण समर्थन देने का ऐलान किया। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन जलालाबाद याकूब राईन, समाजसेवी हाजी दिलशाद, ग्राम प्रधान जाकिर राईन, जिला सचिव जाहिद अंसारी, पूर्व प्रधान खादिम राईन, साबिर मलिक, शाहिद मलिक, मोहम्मद फारुख, राशिद, अनवर कातिब, शादाब कातिब, मोहम्मद यूसुफ, अल्लाह मदद, कासिम, खुर्शीद कुरेशी, हाजी शमशाद, मोहम्मद फुरकान, इमामुद्दीन, अब्दुल्लाह, इकराम हलवाई, नाजिर, हसीन, शोएब पहलवान, एजाज अहमद, दाऊद कुरेशी, इरशाद जैदी, हाफिज कदीर कुरेशी, खलील कुरेशी पहलवान, सलीम अंसारी, गफूर अहमद, असगर कुरेशी, सलीम घोसी, सरताज रफूगर, बिल्लू घोसी, इस्माइल, भोले, अब्दुल्लाह, वहीद, इकराम हलवाई आबिद आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

25 महिलाओं को नेतृत्व क्षमता एवं विकास प्रशिक्षण प्रमाण पत्र किए गए वितरण

संवाददाता

लखनऊ। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित नई रोशनी स्कीम के अंतर्गत जनपद लखनऊ में संस्था मानव विकास परिषद द्वारा 25 महिलाओं को नेतृत्व क्षमता एवं विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर छह दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें नंदा खेड़ा एवं आसपास की 25 महिलाओं ने भाग लिया प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को चाय नाश्ता लंच आदि प्रदान किया गया स्टेशनरी पुस्तक आदि प्रदान कर उनको एक्टिविटी भी सिखाई गई कार्यक्रम के समापन में महिलाओं को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया और संस्था अध्यक्ष राघवेंद्र मिश्रा एवं प्रबंध समिति के पदाधिकारी सहित पूजा मिश्रा शालिनी श्रीवास्तव आरती मिश्रा एवं अन्य स्टाफ ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

महाराजा बिजली पासी के जन्मोत्सव को समारोहपूर्वक मनाया गया

संवाददाता

हरदोई। आज महाराजा बिजली पासी के जन्मोत्सव कार्यक्रम पचकोरा में आयोजित सम्मेलन में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद भाजपा प्रियंका रावत ने दीप प्रज्वलित कर महाराजा बिजली पासी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए समाज के लोगो को आवाहन किया की हमे महाराजा के रास्ते का अनुसरण करना है। कार्यक्रम के संयोजक भाजपा के जिला महामंत्री इंजीनियर ओम वर्मा ने मुख्य अतिथि प्रियंका रावत जी का स्वागत किया तथा समाज के कार्यक्रम में समय देने के लिए उनका धन्यवाद किया। प्रियंका रावत ने कहा श्रद्धेय बिजली पासी ने देश की एकता को बनाए रखने का काम किया। आज वही काम भाजपा और योगी मोदी की सरकार कर रही है। पिछड़े समाज को आत्मसम्मान के साथ देश की मुख्यधारा से जोड़ने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया। समाज का भी दायित्व बनता है जैसे

पहले भाजपा की पूर्ण बहुमत से सरकार बनवाई, उसी तरह आने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा को पिछली बार से भी ज्यादा प्रचंड बहुमत से जिताए। इसकी जिम्मेदारी समाज के हर शक्स को उठानी है। भाजपा सरकार ने बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों के हित के लिए काम किया और आगे भी करेगी। समाज को शिक्षित करने के लिए योगी सरकार ने गांव गांव अंग्रेजी मॉडल स्कूल बनवाए। ड्रेस खरीदने के लिए पैसा सीधे अभिवावको के खातों में पहुंचाया। बीमारी के इलाज को निशुल्क पांच लाख का प्रधानमंत्री बीमा कार्ड योजना चलाई, इन लाभकारी योजनाओं से समाज के ज्यादातर लोगो को लाभ मिला है। भाजपा ने समाज को मजबूत किया अब समाज की बारी है भाजपा को वापस मजबूती से दोबारा सत्ता में लेकर आएं।

बैंकों व आर्डिनेन्स फैक्ट्री के निजीकरण निगमीकरण के विरोध में एसीपी को दिया ज्ञापन

कानपुर। समाजवादी युवजन सभा ग्रामीण के जिलाध्यक्ष अर्पित यादव के नेतृत्व में केन्द्र की भाजपा सरकार की पूंजीवादी नीति और वर्तमान प्रधानमंत्री जी के महत्वाकांक्षी योजना के तहत देश की राष्ट्रीयकृत बैंको का निजीकरण किया जा रहा है जिससे बैंक कर्मचारी आहत में हैं व बैंकों के निजीकरण से लाखों कर्मचारियों की नौकरी जाने का खतरा बन गया ह

ै जिससे आये दिन बैंक कर्मचारी हड़ताल पर जा रहा है जनजीवन अस्त व्यस्त है तथा बैंकों से लेन-देन प्रभावित हो रहा है व देश की सभी 41 आर्डिनेन्स फै क्ट्रियों का निगमीकरण कर सात आयुध निगमों में बांट दिया गया है।

वर्ष 1996 में उस समय के तत्कालीन रक्षामंत्री एवं समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने विभिन्न कमेटियों द्वारा आर्डिनेन्स फै क्ट्रियों का निगमीकरण करने की सिफारिश को एक सिरे से खारिज कर दिया था और आर्डिनेन्स फ

ै क्ट्रियों को रक्षा उत्पादन में और अधिक सुदृढ़ बनाने में जोर दिया था। राष्ट्रपति से समाजवादी युवजन सभा कानपुर ग्रामीण निम्न मांग करती है। राष्ट्रीयकृत बैंकों का निजीकरण पर तत्काल रोक लगायी जाये।

आर्डिनेन्स फै क्ट्रियों का निगमीकरण घर तत्काल रोक लगायी जाये ।कार्यक्रम में प्रवीण सिंह बन्टी यादव राष्ट्रीय महासचिव मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड,संजय सिंह बंटी सेंगर राष्ट्रीय प्रवक्ता समाजवादी, युवजन सभा,वरुण यादव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष समाजवादी युवजन सभा,मो अजमेरी,शानू श्रीवास्तव व तमाम नौजवान साथी मौजूद रहे।

एचडीएफसी बैंक की विनय खंड शाखा का हुआ उद्घाटन

संवाददाता

लखनऊ। एचडीएफसी बैंक की विनय खंड शाखा का उद्घाटन संजय आर भूसरेड्डी - आईएएस , अपर मुख्य सचिव गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग उत्तर प्रदेश एवं गन्ना चीनी आयुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया। विनय खंड शाखा एचडीएफसी बैंक की लखनऊ जिले की 53 वी शाखा है। इस शाखा के साथ उत्तर प्रदेश में एचडीएफसी बैंक की 553 शाखाएं हो गई। इस अवसर पर संयुक्त गन्ना आयुक्त वी बी सिंह, डॉ राघवेन्द्र शुक्ल महासचिव जनकल्याण महा समिति, एचडीएफसी बैंक सर्किल हेड अनुज राज, क्लस्टर हेड वैभव श्रीवास्तव एवं ब्रांच मैनेजर अंकुर श्रीवास्तव उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि संजय भूसरेड्डी ने एचडीएफ सी बैंक के समस्त कर्मचारियों को शुभकामनाएं प्रदान की और एचडीएफ सी बैंक की सुविधाओं को सराहा। क्लस्टर हेड वैभव श्रीवास्तव द्वारा इस शाखा द्वारा प्रदान की जाने वाली बैंकिंग सेवाओं के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई।

'DANCE MERI RANI' Song Out:

नोरा फतेही

और गुरु रंधावा के नए गाने ने फिर मचाया धमाल

नोरा फतेही (Nora Fatehi) और गुरु रंधावा (Guru Randhawa) का नया म्यूजिक वीडियो 'डांस मेरी रानी' (Dance Meri Rani) रिलीज किया जा चुका है. रिलीज के साथ ही यह गाना सोशल मीडिया पर धमाल मचाने लगा है. महज 3 घंटे पहले यूट्यूब पर रिलीज किए गए इस गाने के वीडियो को 15 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है. इस गाने में नोरा फतेही जल परी बनकर सबका दिल चुका रही हैं.

वीडियो की शुरुआत में नोरा पानी और पेड़ों के बीच जलपरी के लुक में दिखाई दे रही हैं, जिन्हें गुरु रंधावा बड़े प्यार से देख रहे हैं. उसके बाद गाने में दोनो की केमिस्ट्री देखते ही बन रही है. गाने में नोरा फतेही ब्राउन कलर की क्रोशिया स्कर्ट और क्रॉप टॉप में बेहद बिंदास नजर आ रही हैं. नूडल्स कर्ल वाले हेयर स्टाइल में नोरा बला की खूबसूरत लग रही हैं. बता दें, म्यूजिक वीडियो 'डांस मेरी रानी' को गुरु रंधावा ने जहरा एस खान के साथ मिलकर गाया है. गाने के बोल रश्मि विराग ने तैयार किए हैं. वहीं, तनिष्क बागची गाने के कंपोजर हैं. वीडियो के निर्देशन की जिम्मेदारी बॉस्को लेस्ली मार्टिस को दी गई थी.

हाल ही में नोरा ने जलपरी बनने के अपने एक्सपीरिएंस को मीडिया से बात करते हुए शेयर किया था. नोरा ने बताया था कि 'जलपरी बहुत सुंदर होती है. जैसे ही मैंने यह आउटफिट पहना मुझे लगा कि मैं बहुत खूबसूरत लग रही हूं. लेकिन इसे संभालना काफी मुश्किल भरा था. मुझे खूबसूरत और ग्लैमरस दिखना था इसलिए दर्द में भी काफी मुश्किल से शूट से किया था'.

'नाच मेरी रानी' भी हुआ था हिट

बॉलीवुड में अपने जबरदस्त डांस से पहचान बनाने वालीं नोरा फतेही (Nora Fatehi) ने इससे पहले गुरु रंधावा के साथ 'नाच मेरी रानी (Naach Meri Rani)' में काम किया था. दोनों का यह गाना अब तक सोशल मीडिया पर छाया हुआ. लोगों के बीच उनका ये गाना भी काफी पॉपुलर हुआ था. एक तरफ जहां 'डांस मेरी रानी' में नोरा जलपरी बनकर लोगों को दीवाना बना रही हैं, तो वहीं वह 'नाच मेरी रानी' में वह एक रोबट के अवतार में नजर आई थीं.

फिल्म 'रोर' से की थी एक्टिंग करियर की शुरुआत

बता दें, नोरा फतेही ने 2014 में फिल्म 'रोर' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की और इसके बाद तेलुगू फिल्मों में चांस मिलने लगे. रियलिटी शो 'बिग बॉस' (Bigg Boss 9) के सीजन 9 में आने के बाद नोरा ने दर्शकों में खास जगह बनाई. इसके बाद 2016 में एक और रियलिटी शो 'झलक दिखला जा' में नोरा ने डांस का अपना असली टैलेंट दिखाया. बहुत काम लोग जानते होंगे कि नोरा सिर्फ एक शानदार डांसर ही नहीं हैं बल्कि मार्शियल आर्ट्स में भी ट्रेंड हैं.

श्वेता तिवारी के एक्स-हस्बैंड राजा चौधरी आज भी हैं उनके दीवाने, फोटो देखकर शेयर की अपनी फीलिंग्स

श्वेता तिवारी (Shweta Tiwari) की फिटनेस और खूबसूरती उनकी उम्र के साथ घट नहीं बल्कि बढ़ती जा रही है. श्वेता सोशल मीडिया पर अपनी ग्लैमरस फोटोज शेयर कर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं. हालांकि श्वेता की बेटी पलक तिवारी (Palak Tiwari) भी अब बड़ी हो चुकी है लेकिन एक्ट्रेस की अदा और खूबसूरती देख लोग अक्सर उनकी बेटी से तुलना कर बैठते हैं. कई बार तो बेटी को भी पछाड़ती नजर आती हैं. श्वेता के ताजा-तरीन सिजलिंग फोटोज को देख उनके एक्स हस्बैंड राजा चौधरी (Raja Chaudhary) भी खुद पर काबू नहीं रख पाए और दिल की बात लिख डाली.

श्वेता तिवारी की खूबसूरती पर फिदा राजा चौधरी

श्वेता तिवारी ने अपने इंस्टाग्राम पर पीले रंग की साड़ी में अपनी कई फोटोज शेयर की हैं. इन फोटोज में एक्ट्रेस बला की खूबसूरत लग रही हैं. येलो-गोल्डन कलर की स्टाइलिश ब्लाउज के साथ श्वेता ने लंबे ईयरिंग्स पहने हुए हैं. इन फोटो में श्वेता की खूबसूरती उनका हेयर स्टाइल भी बढ़ा रहा है. श्वेता की इस सिजलिंग फोटोज पर बेटी पलक तिवारी ने उन्हें क्वीन बताते हुए तारीफ की है तो अपनी एक्स वाइफ की खूबसूरती के कायल राजा चौधरी भी हो गए. एक फैन ने तो कमेंट करते हुए श्वेता को पलक की बड़ी बहन बता दिया.

श्वेता तिवारी की फोटो पर राजा का आया दिल

श्वेता तिवारी की इन फोटोज पर फैंस जमकर उनकी आंखों समेत खूबसूरती की तारीफ करते हुए कमेंट कर रहे हैं तो एक्स हस्बैंड राजा चौधरी भी खुद को रोक नहीं पाए और दिल वाला इमोजी शेयर कर तारीफ में लिखा डाला 'हमेशा की तरह खूबसूरत'. राजा का ये कमेंट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

राजा चौधरी-श्वेता तिवारी का रिश्ता

श्वेता तिवारी और राजा चौधरी ने 1998 में शादी की थी. श्वेता और राजा बेटी पलक तिवारी के माता-पिता बने. सब कुछ ठीक ठाक चल रहा था लेकिन अचानक दोनों के बीच मनमुटाव की खबरें आने लगी. श्वेता ने राजा पर मारपीट करने का आरोप लगाया. राजा और श्वेता के कड़वाहट भरे रिश्ते आए दिन सुर्खियों में रहते थे.

शॉर्ट्स में बोल्ड अदाएं दिखाने पर ट्रोल हुई मोनालिसा, लोगों ने दी गालियां और किए भद्दे

भोजपुरी से लेकर छोटे पर्दे तक लाखों दिलों पर राज करने वाली एक्ट्रेस (Bhojpuri Actress) मोनालिसा (Monalisa) सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वो आए दिन खुद से जुड़ी पोस्ट्स शेयर करती रहती हैं. अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग होने के कारण उनकी तस्वीरें वायरल हो जाती हैं. ऐसे में अब उन्होंने अपनी एक बोल्ड लुक (Monalisa Bold look) फ्लॉन्ट करते हुए फोटो इंस्टाग्राम पर साझा की है. इसमें वो ब्लैक कलर के शॉर्ट्स में पोज देते हुए नजर आ रही हैं. इसे देखने के बाद लोग उन्हें ट्रोल कर रहे हैं और भला-बुरा कह रहे हैं.

मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर अपनी जो फोटो शेयर की है. इसमें वो ब्लैक कलर के शॉर्ट्स और व्हाइट कलर की टी-शर्ट में नजर आ रही हैं. इसके साथ ही उन्होंने अपने लुक (Monalisa New look) को कंप्लीट करने के लिए बालों को भी खुला छोड़ा हुआ है. इसमें वो बेहद ही प्यारी और बोल्ड (Monalisa Bold look) दिख रही हैं. इस ड्रेस में उनका कमाल का फिगर भी देखा जा सकता है. बोल्क लुक को शेयर करने के साथ ही एक्ट्रेस ने कैप्शन लिखा, 'हाय मंडेज्हम दोबारा मिलते हैंज' उनके इस पोस्ट को शेयर करने के बाद तो सोशल मीडिया पर कमेंट्स की झड़ी लग गई. हेटर्स उनके लुक को देख भद्दे कमेंट्स करने लगे. इतना ही नहीं एक्ट्रेस को लोगों ने गालियां तक दे दी. वहीं, कुछ फैंस ने तो उनकी तारीफ भी की है. उनके लुक को देख वो उन्हें चार्मिंग और हॉट कहने लगे हैं. एक्ट्रेस की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. इसे खबर बनाए जाने तक 85 हजार से भी ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं और लोग अब भी इसे लाइक और शेयर कर रहे हैं.

आपको बता दें कि मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वो आए दिन अपनी कोई ना कोई पोस्ट इंस्टाग्राम (Monalisa instagram) पर शेयर करती रहती हैं. उनके इंस्टाग्राम पर करीब 5 मिलियन फॉलोअर्स भी हैं. यही वजह है कि उनकी कोई भी पोस्ट शेयर होते ही वायरल क्यों हो जाती है. मोनालिसा भोजपुरी में राज करने के बाद अब टीवी इंडस्ट्री में भी अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा रही हैं.

निक्की तंबोली को मिला भाग्य का साथ, जल्द करने वाली हैं बॉलीवुड में जबरदस्त एंट्री

टीवी के सबसे पॉपुलर रियलिटी शो 'बिग बॉस 14' (Bigg Boss 14) और 'खतरों के खिलाड़ी 11' से काफी मशहूर हो चुकीं निक्की तंबोली (Nikki Tamboli) टीवी इंडस्ट्री की सबसे बिजी सितारों में से एक बन गई हैं. छोटे पर्दे पर धमाल मचाने के बाद अब निक्की अपना रुख बड़े पर्दे की ओर करने वाली हैं. खबर है कि निक्की तंबोली के हाथ एक बड़ी फिल्म लगी है और वह जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं.

ईटाइम्स में प्रकाशित एक खबर के अनुसार, निक्की तंबोली ने हाल ही में एक बॉलीवुड फिल्म को साइन किया है, जिसकी शूटिंग भी निक्की ने शुरू कर दी है. खबरों की माने तो निक्की अपने किरदार के लिए जमकर मेहनत कर रही हैं, हालांकि निक्की की ओर से अभी तक किसी प्रकार की कोई भी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है. निक्की के फैंस को उन्हें बड़े पर्दे पर देखना किसी ट्रीट से कम नहीं होगा.

'बिग बॉस 14' से हुई थीं मशहूर

बता दें, 'बिग बॉस 14' से निक्की तंबोली (Nikki Tamboli) मशहूर हुई थीं, हालांकि, वे 'बिग बॉस 14' की ट्रॉफी नहीं जीत पाई थीं, पर अपनी बोल्ड और खूबसूरत अदाओं से दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही थीं. वक्त के साथ उनकी लोकप्रियता बढ़ी और उन्हें शो 'खतरों के खिलाड़ी 11' का हिस्सा बनने का मौका मिला. बिग बॉस 14 में टास्क्स के दौरान अपना 100 परसेंट देने के अलावा, निक्की जान कुमार सानू, रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला के साथ अपने अच्छे रिश्तों के लिए भी चर्चा में रहीं.

फैंस के साथ हमेशा जुड़ी रहती हैं निक्की

निक्की अपने फैंस के साथ इंटरेक्शन का कोई मौका हाथ से जाने नहीं देती हैं और अक्सर वीडियोज और फोटोज से अपनी जिंदगी की झलकियां दिखाती हैं. बता दें कि निक्की तंबोली के इंस्टाग्राम पर दो मिलियन से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं. इनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग के कारण ही उनका कोई भी वीडियो या फोटोज आती है तो वायरल हो जाती है.

भोजन में शामिल करें मशरूम

सेहत के लिए मशरूम एक बेहतरीन विकल्प है। इसके स्वाद के अलावा यह आपकी सेहत को भी कई तरह से पोषण देता है। यहीं वजह है कि मशरूम एक बेहद लोकप्रिय व्यंजन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मशरूम बेहद चाव से खाते हैं। आपको अगर मशरूम के ये फायदे मालूम हों तो आप भी रोजाना मशरूम को अपने भोजन में शामिल जरूर करना चाहेंगे। सेहत के लिए मशरूम एक बेहतरीन विकल्प है। इसके स्वाद के अलावा यह आपकी सेहत को भी कई तरह से पोषण देता है। यहीं वजह है कि मशरूम एक बेहद लोकप्रिय व्यंजन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मशरूम बेहद चाव से खाते हैं। आपको अगर मशरूम के ये फायदे मालूम हों तो आप भी रोजाना मशरूम को अपने भोजन में शामिल जरूर करना चाहेंगे। मशरूम को कई तरह से यानी सलाद, सूप और सब्जी के तौर पर खाया जाता है। मशरूम कई सारे औषधीय गुणों का खजाना है। यह आपके पेट संबंधी कई बीमारियों के अलावा कई अन्य शारीरिक समस्याओं में भी फायदा पहुंचाता है। मशरूम को विटामिन डी का भी अच्छा स्रोत माना जाता है। यह हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। एक तरफ मशरूम स्वाद में बेहद अच्छा लगता है, वहीं यह हमारे इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है। मशरूम के नियमित सेवन आपको कई गंभीर बीमारियों से लड़ने में मददगार हो सकता है। मशरूम, फाइबर, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट का एक अच्छा स्रोत है। मशरूम अल्जाइमर, हृदय रोग, कैंसर और मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों के जोखिम को कम करने में मददगार हो सकता है। इसके साथ ही वजन घटाने की सोच रहे लोगों के लिए मशरूम बेहतर विकल्प हो सकता है। मशरूम में मौजूद कुछ एन्जाइम्स और रेशे शरीर से कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करते हैं। मशरूम में हाई न्यूट्रिएंट्स होते हैं, जो दिल को स्वस्थ बनाए रखने में मददगार होते हैं। इसके साथ ही मशरूम पेट संबंधी कई समस्याओं को दूर करने में मददगार होता है।

उबले नींबू भी होते हैं फायदेमंद

क्या आपने कभी पिया है उबले नींबू का पानी, और अगर नहीं पिया हैं तो जल्दी पीना शुरू करे क्युकि इस से जबरदस्त फायदे होते है, वैसे तो नींबू के फायदों से आपने अनजान नहीं होंगे, मगर उबले नींबू भी आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकते हैं ये आप नहीं जानते होंगे। हम आप को बताते हैं इस के फायदे

नींबू को छिलके सहित उबालने के बारे में आपने कभी सोचा है? सुनने में आपको थोड़ा अजीब लग रहा हो, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस तरह नींबू का इस्तेमाल करके आप नींबू के सभी पोषक तत्व बहुत आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप नींबू को उबालकर पिएंगे तो कई तरह की बीमारियों से दूर रहेंगे, लेकिन जिन लोगों को नींबू से एलर्जी है, उन लोगों को इसके इस्तेमाल से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

ठीक रखता है हाजमा :-

नींबू को उबालकर पीने से शरीर में मौजूद विषैले तत्व बाहर निकल जाते हैं, जिससे आपकी पाचन क्रिया दुरुस्त होती है।

एनर्जी बूस्टर:-

नींबू एनर्जी को बढ़ाने में मदद करता है। उबलने के बाद नींबू के पानी के गुण कहीं ज्यादा बढ़ जाते हैं। इसके अलावा नींबू में 'विटामिन-सी' की अधिक मात्रा पायी जाती है।

हिप्स को परफेक्ट शेप देने के लिए जरूर करें ये एक्सरसाइज

साइड लंग्स एक्सरसाइज विद डंबल्स : इस एक्सरसाइज में कई एक्टीविटीज हैं। यह वर्कआउट मसल्स को टोन करने के लिए दबाव डालता है। सबसे पहले अपने वजन के हिसाब से हल्के या मीडियम डंबल लें। पैरों को मिलाकर सीधें खड़े हा जाएं। अपने राइट पैर आगे रखें और धीरे धीरे इसे बाहर निकालना शुरू करें। अब अपने घुटने को मोड़ें और हिप को पीछे की ओर करें। आगे देखते हुए अपने हाथों को पुश करें, हाथों को दाहिने पैर के पास रखें, दाहिने पैर से पुश करें फिर वजन को बाएं पैर पर ले जाएं, रिपीट करें। इसे 12 बार करना है और दोनों पैरों के साथ 3-3 बार करें।

स्प्लिट लेग स्क्वाट्स: स्प्लिट लेग स्क्वैट्स ग्लूट्स पर दबाव डालते हैं और आपकी स्टेबिलिटी को बढ़ाती हैं। इसे करने से आपके हिप्स गोल और अधिक आकर्षक भी बनाते है। सबसे पहले अपने अपने पैरों को चौड़ाई में फैलाएं। अपने शरीर के ऊपरी हिस्से को सामने के पैर पर टिकाएं।

स्क्वाट्स : यह आपके निचले शरीर और आपके कूल्हों की मसल्स को टोन करने के लिए एक बहुत फेमस एक्सरसाइज है। ये आपके हिप्स की मसल्स को चौड़ा करने में मदद करती है और इससे एक अच्छी शेप मिलती है। इसे करने के लिए सबसे पहले दोनों पैरों को खोलकर सीधे खड़े हो जाएं। फिर अपने दोनों हाथों को आगे की ओर खींचे, अब कुर्सी पर बैठने जैसा प्रयास करें। इस दौरान अपने हिप को पीछे की ओर बाहर निकालें। धीरे धीरे घुटनों को मोड़ें, कमर सीधी रहे, हिप्स बाहर, हाथ सीधे और केवल घुटनों से नीचे-ऊपर होइये। 15-15 के तीन सेट करने है।

साइड लेग लिफ्ट्स : ये एक्सरसाइज आपके मसल्स को खिंचाव देती है और उन्हें शेप में दिखाती है। इस एक्सरसाइज के लिए आप पहले एक मैट या थोड़ी नरम सतह पर लेट जाएं।अब एक करवट लें और अपनी हथेली को सिर के नीचे रखें।अब अपने पैरों को एक के ऊपर एक करके रखें, धीरे-धीरे अपने बाएं पैर को जितना हो सके ऊपर उठाएं और इसे 1 सेकंड के लिए रोक कर रखें।

हिप राइज एक्सरसाइज: ये एक्सरसाइज हिप को आकार देने और उन्हें टोन करने के लिए बहुत फायदेमंद है। हिप राइज आपको गोल बट हासिल करने में मदद कर सकता है। हालांकि, ध्यान रखें कि इस एक्सरसाइज को आप सही पोस्चर में करें क्योंकि यह आपकी पीठ और गर्दन की मसल्स को इफैक्ट कर सकती है। सबसे पहले फर्श पर सीधे पीठ के बल लेट जाएं। अपने हाथों को शरीर के साथ में सीधा रखें, अब सांस रोकते हुए अपने हैमस्ट्रिंग और पेल्विक फ्लोर को ऊपर उठाएं।अपने ऊपरी शरीर को कंधों पर टिकाएं और एक सीधी रेखा बनाएं।

चश्मा लगाने पर भी आप दिख सकती हैं खूबसूरत

चश्मा लगाने वाली लड़कियों को अक्सर इस बात से नाराजगी होती है कि चश्मे के नीचे उनकी आंखें दब जाती हैं और उन्हें सही से स्टाइल करने का मौका नहीं मिलता। लेकिन ये बात सही नहीं है। आपको बता दें कि आंखों पर चश्मा लगाने से स्टाइल में कोई कमी नहीं आती। चश्मा लगाने वाली लड़कियां भी भरपूर स्टाइलिश बन सकती हैं।

आंखों का मेकअप

चश्मा पहनने वाली लड़कियों को आपनी आंखों को सबसे ज्यादा हाईलाइट करना चाहिए। इसके लिए आप सबसे पहले आंखों पर आई शैडो लगाएं। आई शैडो आपकी त्वचा के रंग से थोड़ा सा हल्का लें क्योंकि चश्मे के साथ आई शैडो ज्यादा लगाने से आप की आंखें छोटी लगने लगेंगी। आईशैडो में नैचुरल लुक के लिए हल्का शेड व ग्लैमरस लुक के लिए चश्मे के फ्रेम का कलर इस्तेमाल कर सकते हैं।

आईलाइनर जरूर लगाएं

चश्मा लगाने वाली लड़कियों का आईलाइनर लगाना जरूरी है। इसके लिए लिक्विड लाइनर का इस्तेमाल करना बेहतर रहता है क्योंकि यह आंखों को अननैचुरल शाइन नहीं देता। लाइनर को जितना हो सके लैशलाइन के करीब लगाएं ताकि आप की आंखों की खूबसूरती अलग से दिख सके।

ऐसा रखें हेयरस्टाइल

चश्मे के साथ खुले बाल ज्यादा अच्छे लगते हैं। बालों को बाउंसी व पफी लुक भी दे सकते हैं। रोलिंग कॉम्ब या क्रिपिंग मशीन का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

लंबे ईयररिंग्स का न करें इस्तेमाल

चश्मा पहनने वाली लड़कियों पर ज्यादा लंबे ईयररिंग्स अच्छे नहीं लगते। चश्मे के शेप के अनुसार आप ईयररिंग्स पहने। आपको बता दें कि चश्में के साथ झुमके बहुत अच्छे लगते हैं। आज के मॉर्डन टाइम में जीन्स टॉप के साथ भी झुमका पहना जा सकता है। इसके अलावा छोटी कान की बालियां भी अच्छी लगती हैं।

कई समस्याओं का समाधान है नीम

धार्मिक दृष्टि से देखा जाए तो नीम के पेड़ को भगवान के रूप में पूजा जाता है। और वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो नीम कई समस्याओं का समाधान है। जी हाँ नीम बहुत सारी बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल किया जाता है, परंतु इसके साथ-साथ नीम के बीज से भी बहुत से लाभ होते हैं इसके पत्तों में मौजूद बैक्टीरिया से लड़ने वाले गुण मुंहासे, छाले, खाज-खुजली, एक्जिमा को दूर करने में मदद करते हैं । इतना ही नहीं आप नीम के बीज के तेल के उपयोग से त्वचा कि अच्छी तरह से देखभाल कर सकते हैं।

नीम के बीज का तेल काफी लाभकारी होता है। यह हमें तेल, साबुन, क्रीम, लोशन और फेसवॉश के रूप में भी मिलता है। नीम के तेल का इस्तेमाल आप त्वचा कि विभिन्न प्रकार की समस्याओं को ठीक करने के लिए भी कर सकते है। इसके गुण से आप अपनी त्वचा को स्वस्थ और उसके दाग धब्बो से छुटकारा पा सकती है। नीम के बीच का प्रयोग आँख और कान की समस्या को दूर करने के लिए एक ड्रॉप के रूप में भी किया जाता है। इसे आप अपने बालों में लगाकर बालों में जान डाल सकती हैं। और बालों में हो रही कई समस्याओं को भी दूर कर सकती हैं।

अरंडी का तेल बालों और चेहरे के लिए अच्छा

औषधीय गुणों से भरपूर, अरंडी के तेल का उपयोग स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं में किया जाता है। इसे अरंडी के तेल के रूप में भी जाना जाता है। ज्यादातर लोग स्वस्थ रहने के लिए घरेलू उपचार की मदद लेते हैं। इसके लिए कई तरह के उपाय आजमाए जाते हैं। उनमें से एक अरंडी का तेल है। इससे कई तरह के लाभ मिलते हैं।

अरंडी का तेल भी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है। शुष्क त्वचा में इसका उपयोग नमी को बरकरार रखता है। इसके अलावा यह चेहरे पर एक चमक लाता है। इसमें मौजूद रालोलिक एसिड बैक्टीरिया को मुंहासों में बढ़ने से रोकने में उपयोगी हो सकता है। यह चेहरे को दमकता हुआ दिखाने वाले मुहासों को दूर करने में भी मदद करता है।

अरंडी का तेल भी बालों के लिए बहुत उपयोगी है। यह मॉइस्चराइजर और कंडीशनर के रूप में भी काम करता है। इसमें इसका उपयोग बालों को स्वस्थ बनाता है और टूटने से बचाता है। साथ ही यह बालों में चमक भी लाता है। कब्ज एक आम समस्या है। अरंडी का तेल कब्ज और पेट की अन्य समस्याओं में फायदेमंद है। हालांकि, यह केवल एक डॉक्टर की सलाह पर लिया जाना चाहिए।

अरंडी का तेल पेट दर्द और पेट फूलने से भी राहत दिलाता है। इसलिए अरंडी के तेल की कुछ बूंदों को गर्म करें और हल्के हाथों से पेट की मालिश करें। आराम मिलेगा।

घी में मिलाकर खाएं ये दो चीजें मिलेंगे गजब के फायदे

घी हर भारतीय रसोई में पाया जाता है, इसके बिना दाल, करी और सब्जी में स्वाद नहीं आता है और ना ही चपाती खाने में अच्छी लगती है। यहां हम आपको ऐसी दो चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनसे घी का स्वाद और बढ़ जाएगा और आपकी स्वास्थ्य को कई तरह के फायदे मिलेंगे।

दालचीनी : दालचीनी एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होती है, जो आपको कई बीमारियों से बचा सकते है। दालचीनी से ब्लड शुगर लेवल को कम किया जा सकता है, इससे पेट से जुड़ी समस्याओं से काफी राहत मिलती है।

कैसे मिलाएं घी में दालचीनी

सामग्री : घी-एक कप, दाल चीनी - दो

विधि : -एक पैन में घी डालें और उसमें 2 दालचीनी की छड़ें डालें।

-मध्यम आंच पर घी को 4-5 मिनट तक गर्म करें और फिर इसे पूरी तरह से ठंडा होने दें। इससे घी दालचीनी के स्वाद को सोख लेगा।

-वहीं अगर आप घर पर मक्खन से घी बना रहे हैं, तो बस मक्खन को उबालते समय दालचीनी डाले और जब घी तैयार हो जाए तो छलनी से छानकर किसी बर्तन में रख लें।

हल्दी : एक्सपर्ट्स की मानें तो अगर घी में हल्दी मिलाकर खाई जाएं इससे आपको वजन घटाने में मदद मिल सकती है। हल्दी और घी का यह मिश्रण नई रक्त वाहिकाओं को बनाने में मदद करता है। जिससे हर्ट हेल्थ अच्छी होती है और गुर्दे के कार्य में सुधार होता है। इसका सेवन करने से सभी प्रकार के जोड़ों के दर्द से छुटकारा मिल सकता है। बता दें कि हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है, जो सूजन के इलाज में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कैसे बनाएं ये हल्दी वाला घी

सामग्री : घी - एक कप, हल्दी -एक छोटा चम्मच , काली मिर्च पाउडर - आधा छोटा चम्मच

विधि : एक जार ले उसमें घी, हल्दी और काली मिर्च पाउडर को डालकर अच्छे से मिला लें। इसके बाद इसे एयर टाइट जार में भरकर रख लें और रोजाना इसका सेवन करें।

ब्रेकफास्ट से पहले इन बातों का रखें ध्यान

ऐसा कहा जाता हैं की सब खाना छोड़ दो लेकिन ब्रेकफास्ट हमेशा भरपेट अवश्य करना चाहिए। ब्रेकफास्ट करने से स्वास्थ्य भी विल्कुल सही रहता हैं। ब्रेकफास्ट में बहुत सी बिमारियों से बचने की क्षमता होती हैं।

अक्सर आपने कुछ लोगों को यह कहते सुना होगा कि ब्रेकफास्ट हमारे शरीर के लिए बहुत ही जरूरी होता है। दूसरी ओर कुछ लोगों का मानना है कि ब्रेकफास्ट करने और न करने से कोई भी अंतर नहीं पड़ता है। इस संदर्भ में मेदांता द मेडिसिटी, गुडग़ांव की चीफ न्यूट्रिशनिस्ट एवं डायबिटीज एजूकेटर शुभदा भनोत कहती हैं कि अगर आप स्वस्थ रहना चाहती हैं तो हर दिन बगैर किसी अवरोध के ब्रेकफास्ट करना बहुत आवश्यक है।

कई शोध-अध्ययनों से भी यह बात साबित हुई है कि ब्रेकफास्ट करने वाले लोगों का ब्रेकफास्ट न करने वाले लोगों की तुलना में न केवल शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है और वजन भी नियंत्रित रहता है। ब्रेकफास्ट करने से बॉडी फिट और स्लिम रहती है।

साथ ही दिमागी तनाव भी नहीं होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि ब्रेकफास्ट करने से शरीर में दिनभर चुस्ती-फुर्ती बनी रहती है। रात में सात-आठ घंटे की नींद लेने के बाद सुबह ब्रेकफास्ट लेना इसलिए आवश्यक है क्योंकि इससे शरीर के मेटाबॉलिज्म को सुचारु रूप से सक्रिय करने में मदद मिलती है।

डेंगू बुखार और कमजोरी से बचाएंगे ये स्पेशल फूड

विटामिन सी – खाने में जितना हो सके विटामिन सी से युक्त पदार्थों का सेवन करें। विटामिन-सी आपको स्वस्थ रखने के साथ ही शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा यह किसी भी प्रकार के संक्रमण को फैलने से भी रोकता है।

हल्दी का प्रयोग – किसी भी रूप में खान-पान में हल्की का सेवन करें। सामान्यतः सब्जी या दाल में हल्दी का प्रयोग तो होता ही है, इसके अलावा आप चाहें तो हल्दी वाले दूध का सेवन कर सकते हैं।इसमें मौजूद एंटीबायोटिक तत्व आपके प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत कर बीमारियों से आपकी रक्षा करते हैं।

तुलसी और शहद – तुलसी और शहद का प्रयोग करने से भी डेंगू से बचाव किया जा सकता है। इसके लिए तुलसी को पानी में उबालकर, इसमें शहद डालकर पिया जा सकता है।इसके अलावा आप काढ़ा या चाय में तुलसी का प्रयोग कर सकते हैं। इसमें मौजूद एंटी बैक्टीरियल गुण बीमारियों से बचाव में सहायक है।

पपीते के पत्ते – डेंगू के इलाज में पपीते की पत्तियां बेहतर इलाज के रूप में जानी जाती हैं। पपीते के पत्ते का रस निकालकर दिन में दो बार लगभग 2-3 चम्मच की मात्रा में लेने से डेंगू से बचाव किया जा सकता है। इसमें प्रोटीन से भरपूर पपेन नामक एंजाइम पाया जाता है, जो पाचन शक्ति को ठीक करता है इसके अलावा लाल रक्त कणों में भी वृद्धि करता है।

अनार – डेंगू बुखार में शरीर में होने वाली रक्त की कमी और कमजोरी को दूर करने के लिए, अनार का सेवन फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद विटामिन ई, सी, ए और फोलिक एसिड और एंटी ऑक्सीडेंट बेहद लाभप्रद साबित होते हैं। यह लाल रक्त कणों के निर्माण में भी महत्वूर्ण भूमिका निभाता है, जो खून की कमी को पूरा करने में सहायक है।

मेथी – मेथी की हरी पत्तियों का सेवन डेंगू से बचाव में मददगार होते हैं। इसके प्रयोग से शरीर से सभी हानिकारक और विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। इसके अलावा शारीरिक दर्द और अनिद्रा की समस्या में भी यह लाभकारी होती है। इसकी सब्जी या इसे पानी में उबालकर प्रयोग किया जा सकता है। इसके अलावा मेथीदाने का प्रयोग भी किया जा सकता है।

क्या आप अपने बच्चों का कद बढ़ाने की सोच रहे हैं?

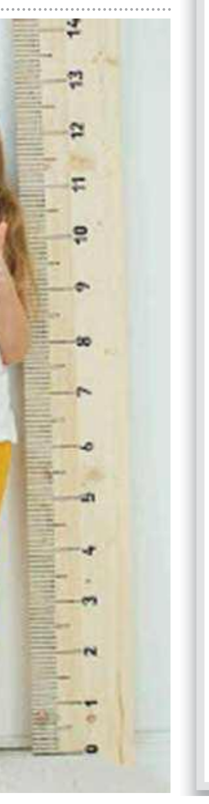

1 और प्यूबर्टी के बीच ज्यादातर बच्चे हर साल ऊंचाई में दो इंच प्राप्त करते हैं। प्यूबर्टी में दाखिल होने पर कद प्रति साल 4 इंच की दर से बढ़ सकता है। हालांकि, हर शख्स अलग-अलग रफ्तार से बढ़ता है।

आपके बच्चे के कद को पर्यावरण, डाइट समेत कई फैक्टर प्रभावित करते हैं। सभी प्रमुख योगदानकर्ताओं में आपकी जीन भी है, जो आपके बच्चे की अंतिम ऊंचाई का 60 से 80 फीसद होता है। जीन के बारे में कुछ नहीं किया जा सकता, लेकिन सही पोषण और शुरुआती उम्र से डाइट देना आपके बच्चे के कद को कुछ इंच बढ़ाने में मदद कर सकता है।

एक साल से लेकर प्यूबर्टी के पहुंचने तक हर साल उसका करीब दो इंच कद बढ़ता है। 12-14 की उम्र यानी प्यूबर्टी में दाखिल होने पर उसकी ऊंचाई प्रति साल 4 इंच की दर से बढ़ना शुरू होती है। ये चरण पार होने के बाद कद का बढ़ना रुक जाता है। इसका मतलब हुआ कि अपने बच्चे की ऊंचाई बढ़ाने के लिए आप सिर्फ 1 से 14 साल की उम्र के बच तक ही उपाय कर सकते हैं।

पौष्टिक डाइट-चाहे व्यस्क हों या बच्चे, हर शख्स के लिए पौष्टिक डाइट बुनियादी जरूरत है। पोषक तत्वों से भरपूर 3 भोजन और 2 स्नैक्स दिमाग और शरीर के विकास में मदद करते हैं। सही प्रकार का पोषण के साथ बच्चे की डाइट में कई फूड देने की कोशिश करें। ज्यादा ताजा फल, साबुत अनाज, डेयरी और प्रोटीन के स्रोत उसकी डाइट में इजाफा करें। शुगर और प्रोसेस्ड फूड से परहेज करें।

सप्लीमेंट्स की अनदेखी करें- ये सुनिश्चित करने के लिए कि बच्चा पोषक तत्वों की पर्याप्त मात्रा ले रहा है, माता-पिता उसको सप्लीमेंट्स भी देते हैं, जो जरूरी नहीं है। बच्चे को सप्लीमेंट्स डॉक्टर की सलाह से उसी वक्त दिए जाने चाहिए जब उसे कुछ पोषक तत्व की कमी हो या वृद्धि संबंधित समस्याओं से जूझ रहा है। प्राथमिकता फूड से पोषक तत्वों को देने की होनी चाहिए।

व्यायाम- अपने बच्चे को शुरुआती उम्र से रोजाना व्यायाम की शिक्षा देना सबसे अच्छा है। शारीरिक रूप से एक्टिव रहने के कई फायदे हैं, जिसमें कद बढ़ाना शामिल है। योग, स्ट्रेचिंग और मेडिटेशन भी शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहने के लिए पर्याप्त है। व्यायाम रीढ़ की हड्डी को फैलाने में मदद करता है।

बार से लटकना- लटकना हमेशा बच्चे की लंबाई बढ़ाने का सबसे अच्छा उपाय माना यगया है। बार पर लटकने से रीढ़ लंबी होती है, जो कद को बढ़ाती है। बार से निरंतर लटकना समय के साथ कद को बढ़ा सकता है। उसके अलावा, मसल को मजबूत करने में भी मदद कर सकता है।

रात की अच्छी नींद- लोग अपनी जिंदगी में अच्छी नींद के महत्व को अक्सर कमतर समझते हैं। उसके कारण उनको कई स्वास्थ्य समस्याओं के विकसित होने का ज्यादा खतरा होता है। 7-8 घंटे सोना सभी के लिए जरूरी है। व्यस्कों के मुकाबले बच्चों को नींद की ज्यादा जरूरत होती है। सुनिश्चित करें कि आपका बच्चा समय पर सोए और रात भर चैन की नींद ले।

आज की रेसिपी

आलू-हरे लहसुन की सब्जी

हरे लहसुन के साथ आलू और मसालों के मिश्रण से बनने वाली एक सिंधी सब्जी है. इसे बनाना बहुत ही आसान है और हरे लहसुन की वजह से इस अनोखा स्वाद मिलता है, अगली डिनर पार्टी में आप इस सब्जी को बनाकर सर्व कर सकते हैं.

सामग्री :

- 250 ग्राम हरा लहसुन, टुकड़ों में कटा हुआ
- 2 आलू
- 1/2 टी स्पून जीरा
- 2 हरी मिर्च, टुकड़ों में कटा हुआ
- 1/2 टी स्पून हल्दी पाउडर
- 1 टी स्पून धनिया पाउडर
- 1/2 टी स्पून आम का पाउडर
- स्वादानुसार नमक
- स्वादानुसार लाल मिर्च पाउडर
- धनिया पत्ती गार्निश करने के लिए

विधि :

- एक पैन में तेल गर्म करें। जीरा डालें और चटकने तक का इंतज़ार करें।
- आलू डाले और आलू को नरम न हो लेकिन पूरी तरह से पकाया नहीं जाता है।
- सभी मसालों और लहसुन के पत्तों को डालें। ढककर 5-10 मिनट तक पकने दें। जरूरत हो तो पानी डालें।
- धनिया पत्ती से गार्निश करें और सर्व करें।

आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने हासिल की टेस्ट में बादशाहत

क्या है कोहली और रोहित का हाल

एजेंसी, नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मार्नस लाबुशाने ने धमाकेदार खेल के दम पर आइसीसी टेस्ट रैंकिंग में बादशाहत हासिल की है। आइसीसी द्वारा जारी की गई ताजा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान जो रूट को हटाकर पहला स्थान हासिल कर लिया है। एशेज सीरीज में लाबुशाने ने दो शतकीय पारी खेलने के बाद ही यह कामयाबी हासिल की। आइसीसी द्वारा बुधवार को ताजा रैंकिंग जारी की गई है। इसमें टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में बदलाव हुआ। आस्ट्रेलिया के मिडिल आर्डर बल्लेबाज लाबुशाने ने 912 अंक हासिल करते हुए पहले स्थान पर कब्जा जमा लिया है। आस्ट्रेलिया में खेली जा रही एशेज सीरीज के दौरान चार पारियों में बड़ी पारी खेल ना खेल पाने का उनको नुकसान हुआ है। वह एक पायदान नीचे खिसक गए हैं। 897 अंकों के साथ वह इस वक्त दूसरे नंबर पर हैं। इन दो स्थान के अलावा नीचे के 8 पोजिशन में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं हुआ है। 884 अंक के साथ आस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ तीसरे नंबर पर हैं। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन 879 अंकों के साथ चौथे नंबर पर हैं। पांचवें स्थान पर भारत के रोहित शर्मा हैं। इसके बाद आस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर हैं, जबकि सातवां नंबर भारतीय कप्तान विराट कोहली का है। श्रीलंका के दुमिथ करुणारत्ने आठवें तो पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम 9वें नंबर पर हैं। एशेज सीरीज में शतक जमाने वाले आस्ट्रेलिया के ट्रविस हेड 10वें नंबर पर हैं।

सचिन तेंदुलकर की यह सलाह मानी तो दक्षिण अफ्रीका में भारत बदल सकता है इतिहास

गॉड ऑफक्रिकेट कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक है। तेंदुलकर ने दक्षिण अफ्रीका की कठिन पिच पर भारत को कई मैचों में जीत का स्वाद चखवाने में मदद की है। भारत भले ही कभी दक्षिण अफ्रीका से टेस्ट सीरीज नहीं जीता हो लेकिन 1992, 1996, 2001, 2006, 2010 का हिस्सा रहे सचिन तेंदुलकर ने दक्षिण अफ्रीका में पांच शतक लगाए हैं। अब टीम इंडिया एक बार फिर से दक्षिण अफ्रीका के साथ भिड़ने के लिए दक्षिण अफ्रीका रवाना हो गयी हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका की तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 26 दिसंबर से शुरू होने वाली हैं। ऐसे में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के पास दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भारत के बल्लेबाजों को जीत के लिए दो मूलमंत्र दिया है। भारतीय बल्लेबाजों के लिए उनका पहला मूलमंत्र है कि पहले 25 ओवरों के लिए फ्रंट फुट डिफेंस पर ध्यान दें। दूसरा मंत्र है किनारा करने से बचने के लिए सुनिश्चित करें कि हाथ शरीर से बहुत दूर न जाएं। तेंदुलकर ने कहा, मैंने हमेशा कहा है, फ्रंट फुट डिफेंस महत्वपूर्ण है और फ्रंट फुट डिफेंस की गिनती यहां होगी। पहले 25 ओवर, फ्रंट फुट डिफेंस महत्वपूर्ण होने वाले हैं। खेलते समय हाथ शरीर से दूर नहीं जा रहे थे। जब आपके हाथ आपके शरीर से दूर जाने लगते हैं, तब आप धीरे-धीरे, लेकिन निश्चित रूप से नियंत्रण खोना शुरू करते हैं। लेकिन वहां पर खेलते समय आपको यह ध्यान रखना है कि आपके हाथ शरीर से दूर न जाएं इससे लंबे समय तक टिका जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका की पिच बल्लेबाजों के लिए सबसे कठिन पिचों में से एक है जहां पारंपरिक रूप से तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा है। यह एक ऐसी जगह जहां भारत ने कभी टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। यह एक ऐसी धारण है जिसे इस बार विराट कोहली की कप्तानी में बदने की लोग उम्मीद कर रहे हैं। तेंदुलकर ने बोरिया के साथ बैकस्टेज पर कहा दक्षिण अफ्रीका में जीत के लिए जरूरी है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि शीर्ष क्रम घरेलू तेज गेंदबाजों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करे, खासकर जब गेंद नई हो। मैंने हमेशा कहा है, फ्रंट फुट डिफेंस महत्वपूर्ण है। सामने की ओर, सामने के पैर की रक्षा महत्वपूर्ण है। और वह यहाँ गिना जा रहा है। पहले 25 ओवर, फ्रंट फुट डिफेंस महत्वपूर्ण होने वाला है। तेंदुलकर ने समझाया कि इंग्लैंड दौरे के दौरान, रोहित शर्मा और केएल राहुल ने काफी रन बनाए, जिसके लिए तेंदुलकर ने एक साधारण समायोजन को जिम्मेदार ठहराया। राहुल और रोहित ने इंग्लैंड टेस्ट के दौरान एक श्शानदार कामश् किया और शरीर के करीब हाथ रखने के महत्व को दोहराया। वे मौके पर पीटे गए और यह ठीक है। हर बल्लेबाज पिट जाता है। गेंदबाज वहां विकेट लेने के लिए हैं, तो कोई बात नहीं। लेकिन जब आपके हाथ आपके शरीर से दूर जाने लगते हैं, तब आपके गेंद को किनारे करने की संभावना होती है।

पीसीबी चीफ बोले- तब तक चैन से नहीं बैठूंगा जब तक पाकिस्तान की टीम ये उपलब्धि हासिल नहीं कर लेती

एजेंसी, नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा ने एक बड़ा ऐलान किया है। रमीज राजा ने कहा है कि वह तब तक आराम से नहीं बैठेंगे, जब तक कि पाकिस्तान की टीम विश्व स्तरीय दर्जा हासिल नहीं कर लेती और आस्ट्रेलिया को उसी की धरती पर नहीं हरा देती। पाकिस्तान की टीम ने अभी तक आस्ट्रेलिया में एक टेस्ट से ज्यादा नहीं जीता है, सीरीज जीतने की बात तो दूर है। कराची में पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान और मौजूदा पीसीबी अध्यक्ष रमीज राजा ने बोर्ड के नए सीईओ नियुक्त किए गए फैसल हसनैन के साथ एक प्रेस कान्फ्रेंस आयोजित की। इस दौरान रमीज राजा ने कई मुद्दों पर बात की। पीसीबी अध्यक्ष ने कहा कि टीम इस समय एक प्रभावशाली पथ पर है, लेकिन उन्होंने ये भी स्वीकार

किया कि अभी और भी काम करने की आवश्यकता है। पाकिस्तान की टीम ने इस साल भारत को टी20 विश्व कप में हराया था। वहीं, आस्ट्रेलिया दौरे को लेकर उनका कहना था कि वे जब तक चैन से नहीं बैठेंगे, तब तक पाकिस्तान की टीम आस्ट्रेलिया को उसी के घर में टेस्ट सीरीज में नहीं हरा देती। उन्होंने आगे बताया, पाकिस्तान को अपनी फील्डिंग में काफी सुधार करना होगा। मैं पिछले तीन महीने से पीसीबी में काम कर रहा हूं फिर भी ऐसा लगता है कि 30 साल बीत चुके हैं।

अब मुझे एहसास हुआ कि छुट्टियां एक बहुत बड़ा आशीर्वाद हैं। बता दें कि भारतीय टीम ने 2018-19 में पहली बार आस्ट्रेलिया की सरजमीं पर टेस्ट सीरीज जीती थी तो टीम इंडिया एशिया की पहली टीम बनी थी, जिसने आस्ट्रेलिया को उसी के घर में टेस्ट सीरीज में हराया था। भारत ने वो सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी। इसके अलावा 2020-21 के दौरे पर भी आस्ट्रेलिया और भारत के बीच खेली गई टेस्ट सीरीज का यही नतीजा था और भारत ने ही 2-1 से दोबारा सीरीज जीती थी।

आर्चर की कोहनी का दूसरा ऑपरेशन

वेस्टइंडीज के खिलाफ नहीं खेलेंगे

एजेंसी, लंदन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा कि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने अपनी चोटिल दाहिनी कोहनी का दूसरा ऑपरेशन करवाया है और वह अगली गर्मियों तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज की अनुपस्थिति वर्तमान की एशेज श्रृंखला के दौरान भी खल रही है। उनका 11 दिसंबर को लंदन में ऑपरेशन किया गया। ईसीबी ने बयान में कहा, ''यह ऑपरेशन उनकी दाहिनी कोहनी में लंबे समय से चले आ रहे दर्द को समाप्त करने के लिये किया गया।'' यह 26 वर्षीय तेज गेंदबाज पिछले नौ महीनों से शीर्ष स्तर की क्रिकेट में नहीं खेला है। वह मार्च में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में भी नहीं खेल पाएंगे। आर्चर की कोहनी का मई में इंडियन प्रीमियर लीग से हटने के बाद ऑपरेशन किया गया था। उन्हें इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप मैच में ससेक्स के लिए गेंदबाजी करते समय उसी हिस्से में फिर से दर्द महसूस हुआ था।

एशेज सीरीज में मिल रही हार के बाद बोले इंग्लैंड कोच सिल्वरवुड

मैं मानता हूं कि इंग्लैंड के कोच के लिए सही व्यक्ति हूं

एजेंसी, मेलबर्न। एशेज श्रृंखला में पहले दो टेस्ट में इंग्लैंड को करारी शिकस्त मिलने के बावजूद उसके आलोचनाओं में घिरे मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड ने अपनी टीम के चयन का बचाव किया और जोर दिया कि वह अब भी इस पद के लिये सही व्यक्ति हैं। इंग्लैंड को ब्रिसबेन में नौ विकेट और एडीलेड में 275 रन से हार का सामना करना पड़ा जिससे टीम चयन की कड़ी आलोचना हुई।

मेहमान टीम ने ब्रिसबेन की हरी पिच पर जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड की अनुभवी जोड़ी को नहीं खिलाने का फैसला किया जबकि स्पिनर जैक लीच को शामिल किया। बायें हाथ के स्पिनर का प्रदर्शन खराब रहा जिसमें उन्होंने 13 ओवर में 102 रन देकर एक विकेट झटका और दूसरे टेस्ट में उन्हें बाहर कर दिया गया। इससे इंग्लैंड को स्पिन के लिये एडीलेड ओवल में रूट, डेविड मलान और ओली रॉबिन्सन पर निर्भर रहना पड़ा। सिल्वरवुड इंग्लैंड के मुख्य चयनकर्ता भी हैं। उनसे जब 'बीबीसी' ने पूछा कि क्या वह यही टीम चुनेंगे? तो उन्होंने जवाब दिया, ''ईमानदारी से कहूं, तो मैं ऐसा करूंगा।'' उन्होंने कहा, ''इसमें हमेशा विभाजित राय होंगी। आप एक टीम को चुनते हो और जरूरी नहीं है कि आपसे सभी सहमत हो जायें लेकिन मैं गुलाबी गेंद के टेस्ट में हमारे कौशल से खुश हूं इसलिये मैं फिर से इसी टीम को चुनूंगा।'' तीसरा टेस्ट मेलबर्न में 'बॉक्सिंग डे' को शुरू होगा और टीम की रवानगी से पहले सिल्वरवुड ने मंगलवार को अपना रूख दोहराया। उन्होंने कहा, ''हमने उन परिस्थितियों के लिये सर्वश्रेष्ठ आक्रमण चुना और आप हमारे आक्रमण को देख सकते हो कि इसमें काफी अनुभव था। मैं इस मैच में उस आक्रमण से खुश था और मैं पिछले मैच में भी अपने आक्रमण से खुश था।'' सिल्वरवुड के मार्गदर्शन में इंग्लैंड ने पिछले 11 टेस्ट में नौ मैच गंवाये हैं और केवल एक ही जीता है। कई पूर्व खिलाड़ियों का मानना हे कि उन्हें दो हार की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इन पूर्व खिलाड़ियों में पूर्व कप्तान माइकल आथरटन भी शामिल हैं। सिल्वरवुड ने कहा, ''क्या मैं खिलाड़ियों की बेहतर होने में मदद के लिये सही व्यक्ति हूं हां, मेरा मानना है कि मैं हूं। हमारी कुछ बातचीत हुई और मेरा मानना है कि ऐसा करने के लिये मेरे साथ सही कोचिंग स्टाफहै।'' उन्होंने कहा, ''जब आप इस तरह का पद संभालते हो तो आप स्वीकार करते हो कि आपका काम क्या है। ऐसा ही है। क्या मुझे लगता है कि मैं इसके लिये सही व्यक्ति हूं? हां, मैं मानता हूं, वर्ना पहली बात तो मैं इस पद को लेता ही नहीं।